तापमान

अधिकतम 23.0 डिग्री
न्यूनतम 8.0 डिग्री

हरिभूमि

# सोनीपत भूमि

रोहतक, रविवार, 30 नवंबर 2025

10 सकारात्मक जीवन जीने की कला सिखाती हैं गीता की शिक्षाएं

10 ईमानदारी केवल चरित्र का आभूषण नहीं, न्याय और प्रतिष्ठा की बुनियाद

## खबर संक्षेप

### कार ने मारी टक्कर, 6 साल का बच्चा घायल

**सोनीपत।** बहालगढ़ में अनियंत्रित कार ने गांव समसीपुर निवासी अभिषेक (6) को टक्कर मार दी। मासूम गंभीर रूप घायल हो गया। गंभीर हालत में उसे रोहतक पीजीआई रेफर किया गया है। बिहार के बेगुसराय जिला के गांव समसीपुर निवासी नूतन ने बताया वह अपने परिवार के साथ बहालगढ़- दीपालपुर रोड पर किराए पर रहती हैं। वह अपने 6 साल के बेटे अभिषेक कुमार के साथ परचून की दुकान पर गई थीं।

### निःशुल्क नेत्र जांच शिविर 30 नवंबर को

**गन्नौर।** लायंस क्लब गन्नौर गौरव की ओर से स्थानीय नागरिकों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच व मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर 30 नवंबर को शिव पार्क, रेलवे रोड, गन्नौर मंडी में लगाया जाएगा। क्लब के पदाधिकारी लायन हरीश वाधवा ने बताया कि दिल्ली के प्रसिद्ध श्रॉफ आई हॉस्पिटल की विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम शिविर में पहुंचेगी और सभी मरीजों की आंखों की जांच करेगी। कमजोर दृष्टि वाले मरीजों को चश्मा और दवाइयां मुफ्त उपलब्ध करवाई जाएंगी। साथ ही, जिन मरीजों को मोतियाबिंद की समस्या होगी, उनका ऑपरेशन भी पूर्णतया निःशुल्क करवाया जाएगा।

### ऋषि चैतन्य आश्रम में विशेष ध्यान सत्र 30 नवंबर को

**गन्नौर।** ऋषि चैतन्य आश्रम में रविवार को आनंदमूर्ति गुरुमां के मार्गदर्शन में विशेष प्रणव मेडिटेशन सत्र आयोजित किया जाएगा। सत्र में देशभर से साधक और श्रद्धालु शामिल होंगे। आश्रम प्रबंधन के अनुसार यह अवसर साधकों को दिव्य उपस्थिति में बैठकर आंतरिक शांति और आत्मिक ऊर्जा का अनुभव कराने के उद्देश्य से रखा गया है।

### गांव बड़ौता में पराली के ढेर में लगी आग

**गोहाना।** गांव बड़ौता में पराली के ढेर में आग लग गई। इससे 10 एकड़ की पराली जलकर राख हो गई। दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण का पता नहीं लग पाया। गांव बड़ौता के बिजेंद्र ने धान की पराली का ढेर लगा रखा था। शनिवार दोपहर को ग्रामीणों ने पराली के ढेर में आग लगी देखी।

### वृद्धों को वृद्धावस्था जन्य रोगों की जानकारी दी

**गोहाना।** आयुष विभाग द्वारा गांव माहरा स्थित बंसी वाला मंदिर में वृद्ध नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में वृद्धों को वृद्धावस्था जन्य रोगों और उनसे बचाव की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य जांच शिविर एसडीएम अंजलि श्रोत्रिय के निर्देशन और जिला आयुर्वेदिक अधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

आज ही के दिन कुरुक्षेत्र की युद्धभूमि में भगवान श्रीकृष्ण ने मोहग्रस्त अर्जुन को दिया था गीता का ज्ञान

# मोक्षदा एकादशी के साथ आज मनाई जाएगी गीता जयंती

### दुर्लभ और शुभ संयोग बन रहा है एक दिसंबर को रखेंगें व्रत

- गीता जयंती का उद्देश्य केवल अनुष्ठान करना नहीं, बल्कि इसके मूलभूत संदेशों को जीवन में गहराई से उतारना है

*इस वर्ष एकादशी तिथि 30 नवंबर को रात 09:29 बजे शुरू होकर 1 दिसंबर को शाम 07:01 बजे समाप्त होगी। गीता जयंती का उद्देश्य केवल अनुष्ठान करना नहीं, बल्कि इसके मूलभूत संदेशों को जीवन में गहराई से उतारना है।*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सनातन धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाने वाले पर्व गीता जयंती इस वर्ष 1 दिसंबर सोमवार को मनाई जाएगी। यह दिन मोक्षदा एकादशी के साथ पड़ रहा है, जिससे इसका महत्व कई गुना बढ़ गया है। यह पर्व इसलिए खास है क्योंकि इसी

पावन तिथि पर कुरुक्षेत्र की युद्धभूमि में भगवान श्रीकृष्ण ने मोहग्रस्त अर्जुन को कालजयी उपदेश भगवत गीता का ज्ञान दिया था।

यह ज्ञान केवल धर्म का पाठ नहीं, बल्कि जीवन के हर पहलू को छूने वाली ऐसी शिक्षा है जो आज से लगभग पांच हजार वर्ष पहले जितनी प्रासंगिक थी, उतनी ही आज भी है। इसलिए गीता जयंती का उद्देश्य केवल अनुष्ठान करना नहीं, बल्कि इसके मूलभूत संदेशों को जीवन में गहराई से उतारना है। आचार्य डॉ. मनमोहन मिश्रा ने बताया कि मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की एकादशी का दिन अत्यंत पवित्र माना जाता है।

इस वर्ष एकादशी तिथि 30 नवंबर को रात 09:29 बजे शुरू होकर 1 दिसंबर को शाम 07:01 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि को मानने की परंपरा के कारण गीता जयंती और मोक्षदा एकादशी का व्रत 1 दिसंबर 2025 को किया जाएगा। मोक्षदा एकादशी अपने नाम के अनुरूप मोक्ष प्रदान करने वाली मानी जाती है और इस दिन गीता जयंती का होना एक दुर्लभ और अत्यंत शुभ संयोग है।

#### भगवान कृष्ण की कृपा पाने के लिए करें मंत्र जप

डॉ. मिश्रा ने बताया कि गीता जयंती के पावन अवसर पर भगवान कृष्ण की विशेष कृपा प्राप्त करने के लिए भक्तगण विभिन्न मंत्रों का जप कर सकते हैं। यह जप कम से कम 108 बार करने का विधान है।

#### प्रमुख मंत्र इस प्रकार

- कृष्णाया वासुदेवाय हरये परमात्मने प्रणतः क्लेशनाशाय गोविंदाय नमो नमः
- हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे
- कूं कृष्णाय नमः
- ॐ क्लीं कृष्णाय नमः
- ॐ नमो भगवते वासुदेवायः
- ॐ देविकानन्दनाय विधमहे वासुदेवाय धीमहि तन्नो कृष्णः प्रचोदयातः
- क्लीं ग्लौं क्लीं श्यामलांगाय नमः

#### जीवन में गीता की प्रासंगिकता

डॉ. मनमोहन मिश्रा ने बताया कि गीता केवल एक धर्मग्रंथ मात्र नहीं है, यह तनाव, समस्याओं और जीवन की उलझनों का सामना कर रहे हर व्यक्ति के लिए मार्गदर्शन का कार्य करती है। कहा जाता है कि गीता जयंती के दिन गीता का नियमित पाठ करने से जीवन में शांति, ज्ञान, मुक्ति और मोक्ष की प्राप्ति होती है। गीता के उपदेशों की दृढ़ता और जीवन का आश्वासन ही इसे अन्य ग्रंथों से अलग और प्रभावशाली बनाता है। भगवान कृष्ण ने अर्जुन को जो कर्म, धर्म और कर्तव्य का बोध कराया था, वह हर युग के मनुष्य के लिए एक अचूक सूत्र है। गीता का वास्तविक महत्व केवल इसके श्लोक याद करने में नहीं है, बल्कि मन को अर्जुन की तरह ग्रहणशील बनाने में है ताकि इसके गहन अर्थ को समझा जा सके।

#### गीता जयंती के उपलक्ष में छात्राओं ने किया कुरुक्षेत्र का शैक्षणिक भ्रमण

**खरखौदा।** शहीद दलबीर सिंह राजकीय महाविद्यालय पीपली में प्राचार्या डॉ तराना नेगी के मार्गदर्शन में महिला प्रकोष्ठ द्वारा छात्राओं को अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव, कुरुक्षेत्र का शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया। इसका आयोजन प्रभारी डॉ संगीता मान तथा गीता शर्मा द्वारा किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को भारतीय तथा हरियाणवी संस्कृति, धार्मिक परंपराओं की विरासत से अवगत कराना था। इसमें छात्राओं ने भी अपनी रुचि व मनोरंजन के साथ साथ सीखने का मौका मिला। प्राचार्या डॉ तराना नेगी ने कहा कि अपनी संस्कृति, धार्मिक परंपराओं को विरासत के रूप में संजोए रखना ही हमारी पहचान है। धार्मिक आस्था हमें सत्यता का जीवन जीने का मार्ग दिखाता है। जिससे हम बुरे कर्म करने से दूर रहते है। गीता का ज्ञान ही सही मायने में जीवन जीने मार्ग है। धर्म व अधर्म के युद्ध में सदैव धर्म की विजय होती है।

*हादसे के बाद घर ले आए थे, हालत बिगड़ी तो अस्पताल में करवाया भर्ती*

## सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत, अज्ञात वाहन ने मारी थी टक्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

गांव भठगांव के पास एक अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हुए एक बाइक सवार युवक की पीजीआई रोहतक में उपचार के दौरान मौत हो गई। प्रारंभिक टक्कर के बाद परिजनों द्वारा युवक को घर ले आने और फिर हालत बिगड़ने पर दोबारा अस्पताल ले जाने की बात सामने आई है। सदर थाना पुलिस ने मृतक के भाई के बयान पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ दुर्घटना की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दिए बयान में गांव अटेरना निवासी प्रवेश ने बताया कि उनके भाई प्रदीप एक कंपनी में नौकरी करते थे। 26 नवंबर की रात को ड्यूटी खत्म करके प्रदीप अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। जब वह गांव भठगांव के नजदीक पहुंचे, तो एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि प्रदीप सड़क पर गिरकर बुरी तरह से घायल हो गए। प्रदीप को तत्काल बीपीएस खानपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया।

#### पुलिस ने अज्ञात चालक पर केस दर्ज किया

प्रवेश ने बताया कि अस्पताल में प्राथमिक जांच के बाद उनकी चोटें ज्यादा गंभीर नहीं लग रही थीं, इसलिए परिजन उन्हें उपचार के बाद घर ले हालांकि, घर लाने के एक दिन बाद ही प्रदीप की तबीयत अचानक फिर से बिगड़ गई। बिगड़ती हालत को देखते हुए उन्हें तुरंत दोबारा बीपीएस खानपुर ले जाया गया। वहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें तत्काल पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। दुर्भाग्यवश, पीजीआई रोहतक में इलाज के दौरान प्रदीप ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतक के भाई प्रवेश के बयान के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस अब दुर्घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि टक्कर मारने वाले वाहन और उसके चालक की पहचान की जा सके।

### अवैध हथियार मामले में दूसरा आरोपित गिरफ्तार

**सोनीपत।** जिले की क्राइम यूनिट सेक्टर-27 सोनीपत पुलिस टीम ने अवैध हथियार की पूर्व घटना में संलिप्त दूसरे आरोपित को गिरफ्तार कर कार्रवाई को आगे बढ़ाया है। गिरफ्तार आरोपित वालिस उर्फ कालू निवासी गांव ओशिका, बड़ौत (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार 9 सितंबर 2025 को क्राइम यूनिट सेक्टर-27 सोनीपत की टीम मुरथल बाईपास पर गश्त कर रही थी, तभी सूचना मिली कि गांव देवडू रविदास मंदिर के पास एक युवक अवैध पिस्तौल के साथ मौजूद है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध युवक को काबू किया। पूछताछ में उसकी पहचान शोहिब उर्फ शोहित निवासी देवडू के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक देसी पिस्तौल 315 बोर और एक जिंदा रौंद बरामद किया गया, जिस पर थाना सेक्टर-27 में शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। अनुसंधान के दौरान सहायक उप निरीक्षक संदीप और उनकी टीम ने मुख्य आरोपित शोहिब को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। अब हथियार उपलब्ध करवाने वाले सहयोगी वालिस उर्फ कालू जो घटना में संलिप्त था, को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपित को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

## सड़क के बीचों बीच लगाई गई वाल व उस पर रखे पत्थरों से बढ़ा खतरा

### नपा रोड पर जनस्वास्थ्य विभाग द्का कारनामा, आए दिन हो रही दुर्घटनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

**गन्नौर।** जनस्वास्थ्य विभाग ने नपा रोड़ पर सड़क के बीचों बीच लगी वाल पर रखे पत्थर।

नगरपालिका रोड पर जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा सड़क के बीचों-बीच बनाई गई वाल और उसके ऊपर रखे गए बड़े-बड़े पत्थर लोगों के लिए मुसीबत बन गए हैं। इन पत्थरों के कारण सड़क मार्ग काफी संकरा हो गया है, जिससे वाहनों की आवाजाही में लगातार बाधा उत्पन्न हो रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पत्थर लगाए जाने के बाद से इस मार्ग पर दुर्घटनाओं का सिलसिला बढ़ गया है, लेकिन संबंधित विभाग के अधिकारी इस गंभीर मुद्दे पर कोई ध्यान नहीं दे रहे। राहगीरों का कहना है कि दोपहर के समय जब स्कूल की छुट्टी होती है, तब स्थिति और भी विकट हो जाती है। संकरी सड़क पर वाहनों का दबाव बढ़ जाता है और कुछ ही मिनटों में लंबा जाम लग जाता है। बच्चों को लेने आने वाले अभिभावक, स्कूली वाहन और दोपहिया चालकों को बेहद मुश्किल का सामना करना पड़ता है। कई बार तो जाम इतना बढ़ जाता है कि एंबुलेंस और जरूरी सेवाओं के वाहन भी फंस जाते हैं। उन्होंने बताया कि कई बार जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया है। लोगों ने मांग की थी कि सड़क के बीचों-बीच रखे पत्थर हटाए जाएं। लोगों का कहना है कि अधिकारी किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से तुरंत हस्तक्षेप कर सड़क को सुरक्षित और चालू हालत में बहाल करने की मांग की है।

### तीसरा आरोपित प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार

**गोहाना।** पुलिस टीम पर फायरिंग करने और कार्य में बाधा पहुंचाने की घटना में तीसरे आरोपित झज्जर के नरेश को प्रोडक्शन वांरट पर लेकर गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद आरोपित को दोबारा न्यायालय में पेश किया और न्यायिक हिरासत में भेजा गया। एसएयूपी यूनिट सेक्टर सात सोनीपत के प्रभारी अजय धनखड़, क्राइम यूनिट वेस्ट सोनीपत के प्रभारी बीर सिह व क्राइम यूनिट गन्नौर के प्रभारी मुकेश पुलिस टीमों के साथ 31 मई 2025 को बदमाशों को पकडने के लिए गोहाना क्षेत्र में आए थे। पुलिस को उस समय गन्नौर में दो युवकों को गोलियां मारकर घायल करने की घटना में आरोपित गांधी नगर के रोहित व अंकुश के बाइक पर गोहाना के गांव गंगाना की तरफ आने की सूचना मिली थी। पुलिस ने बदमाशों का पीछा किया तो उन्होंने फायरिंग कर दी थी।

## मुख्यमंत्री ने संकल्पों का वादा किया पूरा

### कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने 1 करोड़ रुपए के विकासकार्यों उद्घाटन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

**गोहाना।** डॉ. अरविंद शर्मा का फूलों के बड़े हार से स्वागत करते हुए नागरिक।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और डॉ अरविंद शर्मा में कोई फर्क नहीं है। दोनों समाज उत्थान की दिशा में एक ही सोच के साथ काम कर रहे हैं। मुख्यमन्त्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में बनी सरकार निःस्वार्थ भाव से जनता-जनार्दन की सेवा कर रही है। मंत्री शनिवार को गांव गढ़ी सराय नामदार खां में महाराजा शूर सैनी सभा द्वारा संचालित सैनी पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में अपनी पत्नी डॉ. रीटा शर्मा के साथ बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। उन्होंने स्कूल में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया व संस्था को स्वैच्छिक कोष से 21 लाख रुपए देने की घोषणा की। इसके उपरांत कैबिनेट मंत्री गढ़ी उजाले खां के कम्युनिटी सेंटर में जनसंवाद कार्यक्रम में पहुंचे। ग्रामीणों से संवाद करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि नायब सिंह सैनी एक शानदार नेता हैं, यहां की जनता ने विधानसभा चुनाव में भाजपा व उनकी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस कारण ही आज प्रदेश में लगातार तीसरी बार बनी सरकार उनके सांझे की सरकार है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की सरकार ने बीते एक साल में 48 संकल्पों का वायदा निभाते हुए जनता-जनार्दन का भरोसा जीता है। आज प्रदेश में गरीब, मजदूर, युवा, महिला, किसान से लेकर उद्यमियों के उत्थान को लेकर निरन्तर काम किया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने एक करोड़ रुपए के विकास कार्यों का उद्घाटन किया।

## बस व बाइक में हुई टक्कर में एक बाइक सवार की दर्दनाक मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

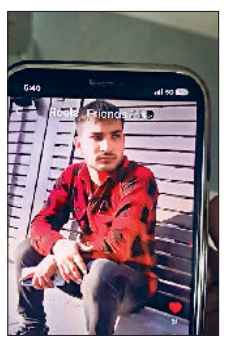

**खरखौदा।** दुर्घटना में घायल उपचाराधीन व मृतक का फाइल फोटो।

राष्ट्रीय राजमार्ग 334 बी पर रोहट गांव में सर्विस लाइन पर निजी बस व बाइक में हुई टक्कर में बाइक पर बैठे एक व्यक्ति विजय कंसाला की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलों को हाईवे एंबुलेंस के द्वारा खरखौदा के सरकारी अस्पताल में लाया गया था, जहां से प्राथमिक उपचार देने के बाद एक घायल हो पीजीआई, रोहतक रेफर कर दिया गया।

रोहतक के गाडौठी के रहने वाले घायल रवि ने बताया कि वह और विजय जोकि कंसाला गांव का रहने वाला था, के साथ बाइक से सोनीपत की तरफ जा रहा था। वह दोनों ही निजी बस पर बतौर कंडेक्टर काम करता है और खरखौदा से बहादुरगढ़ के लिए चलने वाली निजी बसों पर सेवारत था।

वह आज शाम को सोनीपत खरखौदा की तरफ बाइक लेकर जा रहे थे। जब वह राष्ट्रीय राजमार्ग 334 बी पर कंवाली मोड़ से कुछ आगे रोहट गांव के पास पहुंचे तो सवारियों से भरी बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे वह दोनों नीचे गिरकर बुरी तरीके से घायल हो गए। हाईवे एंबुलेंस ने उन्हें खरखौदा के सरकारी अस्पताल में पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने विजय को मृत घोषित कर दिया, जबकि रवि को प्राथमिक उपचार देने के बाद पीजीआई, रोहतक रेफर किया है।

### रेलवे परिसर व ककराई रोड फ्लाईओवर क्षेत्र में हटाया गया कूड़ा

## सोनीपत में मेयर ने चलाया सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ सोनीपत अभियान के अंतर्गत मेयर राजीव जैन के नेतृत्व में शनिवार को मिशन चौक से ककराई रोड फ्लाईओवर के नीचे, रेलवे परिसर और पुराने हुड्डा कार्यालय परिसर में व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान मंडी की ओर स्थित रेलवे परिसर में लंबे समय से जमा पड़े कूड़े के ढेरों को उठवाया गया तथा झाड़ियों की सफाई करवाई गई।

मेयर राजीव जैन ने बताया कि यह अभियान लगातार 23वें शनिवार को चलाया गया। उन्होंने दुकानदारों और रेहड़ी संचालकों से अपील की कि वे कूड़ा सड़क पर न फेंकें और निर्धारित स्थान पर ही डालें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में सफाई के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया स्वच्छ भारत अभियान आज जन आंदोलन का रूप ले चुका है।

**सोनीपत।** सफाई अभियान के दौरान मेयर राजीव जैन।

#### लोगों से की सफाई की अपील

मेयर ने जानकारी दी कि निगम क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग 200 टन कूड़े का निस्तारण किया जा रहा है और इस कूड़े का उपयोग बिजली उत्पादन में किया जा रहा है। यदि ऐसा न होता तो अन्य शहरों की तरह यहां भी कूड़े के पहाड़ खड़े हो जाते। उन्होंने आमजन से कूड़ा न फैलाने और दूसरों को भी न फैलाने देने का संकल्प लेने की अपील की। अभियान में पार्षद अतुल जैन, सूरज जैन एडवोकेट, मनोज गुप्ता, नकिन मेहरा, जोगिंदर मेहरा, शैलेंद्र तोमर, विक्की शर्मा, सफाई निरक्षिक सत्येंद्र दहिया, सफाई निरक्षिक सुंदर कुमार, प्रवेश कुमारी सहित कई नागरिकों ने योगदान दिया।

# नवंबर में जरूरी कामों को निपटाएं, 1 दिसंबर से नियम बदलेंगे

*नवंबर महीना जल्द खत्म होने वाला है और कई सरकारी और वित्तीय कामों की आखिरी तारीख भी पास आ गई है। अगर आपने अभी तक ये काम पूरे नहीं किए हैं, तो 30 नवंबर से पहले पूरा कर लें। 1 दिसंबर से कई नियम बदल जाएंगे।*

## सरकारी कर्मचारियों के लिए यूपीएस चुनने की आखिरी तारीख

- सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम चुनने की डेडलाइन 30 नवंबर है। पहले यह तारीख 30 सितंबर थी, लेकिन बाद में बढ़ा दी गई। यूपीएस, एनपीएस से अलग है और इसे चुनने का मौका सीमित समय तक ही है।
- पेंशनर्स के लिए लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की डेडलाइन
- पेंशनर्स को अपना लाइफ सर्टिफिकेट 30 नवंबर तक जमा करना होगा। इसे समय पर जमा न कराने पर पेंशन रोकने का खतरा हो सकता है।

## टैक्स फाइलिंग और जरूरी रिपोर्ट

- अक्टूबर 2025 में टीडीएस कटने वाले टैक्सपेयर्स को सेक्शन 194-Iए, 194-Iबी, 194एम और 194एस के तहत बयान 30 नवंबर तक जमा करना अनिवार्य है। सेक्शन 92ई के तहत रिपोर्ट देने वाले टैक्सपेयर्स भी 30 नवंबर तक आईटीआर फाइल कर सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय ग्रुप की कॉन्स्टीट्यूएंट एंटिटीज़ के लिए फॉर्म 3सीईएए जमा करने की आखिरी तारीख भी यही है।

## एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बदलाव

- ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी की कीमतें अपडेट करती हैं। 1 दिसंबर को भी नए दाम लागू होंगे। 1 नवंबर को 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत 6.50 रुपए तक घटाई गई थी।

## एविएशन टरबाइन फ्यूल की कीमत

- एलपीजी की तरह एटीएफ की कीमतों में भी हर महीने बदलाव होता है। 1 दिसंबर को एटीएफ के दाम बढ़ सकते हैं या कम हो सकते हैं। नवंबर खत्म होने से पहले इन जरूरी कामों को पूरा करना बेहद जरूरी है, क्योंकि 1 दिसंबर से नियम और तारीखें बदल जाएंगी।

निवेश मंत्रा
विनोद गौतम

# स्टॉक मार्केट की नब्ज पकड़ना नहीं आसान, इन बातों का रखें विशेष ध्यान

**नियमित व अनुशासित निवेश ही करें**

दरअसल अनिश्चितता से भरे शेयर ट्रेडिंग में भावों के उतार-चढ़ाव को समझना ही सबसे बड़ी चुनौती होती है। जो ट्रेडर यह समझते हैं कि मुनाफा कमाना बड़ा लक्ष्य है, वे अक्सर घाटा खाते हैं, जबकि भावों की भाषा को पढ़ने वाले कुल मिलाकर फायदे में रहते हैं, क्योंकि किसी भी शेयर के भावों में ही छिपा रहता है उसका भूत, वर्तमान और भविष्य, बस इसे पढ़ने के लिए सधी और पैनी नजर चाहिए। अब सवाल है कि भावों की भाषा पढ़ी कैसे जाए। इसका एक प्रमुख माध्यम है टेक्निकल एनालिसिस।

### टेक्निकल एनालिसिस का क्या है अर्थ

टेक्निकल एनालिसिस का अर्थ है किसी स्टॉक के मार्केट डाटा का सूक्ष्म अध्ययन करके उसकी संभावित कीमत का अनुमान लगाना। इसमें मुख्य रूप से दो बातों पर गौर किया जाता है। भाव और ट्रेडिंग की मात्रा यानी वॉल्यूम। सरल शब्दों में कहा जाए तो टेक्निकल एनालिसिस के तहत देखा जाता है कि किसी खास समय अवधि में किसी स्टॉक की कीमत में कितना उतार-चढ़ाव आया। इस अवधि में इसकी ट्रेड की गई संख्या में क्या कभी कोई बड़ा उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

इक्विटी मार्केट में निवेश एक अनुशासन है। इसे तोड़ने पर जोखिम उठाना पड़ सकता है। लेकिन यह देखा गया है कि निवेश के फैसलों में अपवाद को नियम मान लेने की चूक कई लोगों करते हैं। मसलन, आम धारणा है कि इक्विटी फंड में एकमुश्त निवेश नहीं करना चाहिए। इक्विटी फंड में निवेश एसआईपी के जरिये करना चाहिए, ताकि समय के साथ लागत की एवरेजिंग होती रहे। ऐसा करने के कई फायदे हैं। फिर भी, कई लोगों के पोर्टफोलियो इस नियम का पालन नहीं करते हैं और वे इसकी वजहें भी बताते हैं कि मुझे एक बार में यह रकम मिली थी और किसी ने मुझे बताया कि इसे एकबार में ही इस फंड में लगा देना चाहिए या मुझे पता है कि सेक्टर फंड्स से अभी परहेज करना चाहिए, लेकिन यह तो साफ दिख रहा है कि इंफ्रास्टक्चर का हाल बेहतर होने वाला है, तो मैंने इंफ्रा फंड में एक बार में ही मोटी रकम लगा दी या इक्विटी में उतार-चढ़ाव होता रहता है, लिहाजा मैंने एफडी में 10 साल के लिए यह रकम लगा दी। ये तो एफडी की तरह ही हैं। ये तमाम तर्क टिपिकल हैं और इनमें से ज्यादातर मामलों में निवेशक ने सोच-समझकर निवेश नियमों का उल्लंघन करने का निर्णय किया होता है। वे ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वे खुद को अपनी तर्क बुद्धि से या सलाहकार की मदद से यह समझा ले जाते हैं कि मौजूदा हालात में आम नियम का रास्ता छोड़ना फायदेमंद होगा।

### ऐसे समझें

निवेश में अनुशासन व नियमों को समझने के लिए यहां एक उदाहरण पेश है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का एक डॉक्यूमेंट है। 'पावर ऑफ टेन' के नाम से। इसे नासा के कंप्यूटर साइंटिस्ट गेरार्ड होल्जमैन ने तैयार किया था। इसमें सेफ्टी-क्रिटिकल सॉफ्टवेयर डिवप्प करने के 10 नियम बताए गए हैं। इसके रिसर्च के दौरान होल्जमैन ने पाया था कि अगर नियमों का पालन किया जाए, तो उन्हें कानून की तरह मानना होगा, न कि दिशानिर्देश की तरह। और कुछ ही नियमों का होना बेहतर है, जिनका कभी उल्लंघन न हो। निवेश पर यह उदाहरण बिल्कुल फिट बैठता है। कहने का मतलब कि निवेश के नियमों में अपवाद की कोई जगह नहीं है। हमेशा बुनियादी नियमों का पालन करना चाहिए। और यह नियम है कि इक्विटी में कभी भी एकमुश्त निवेश नहीं करें। न ही सीधे शेयर बाजार में और न ही म्यूचुअल फंड में। अपने पोर्टफोलियो में विविधता रखें, एसआईपी अपनाएं, नियमित निवेश का पैटर्न अपनाएं। कभी कभार हो सकता है कि ऐसे हालात बनें, जिनमें निवेश के बुनियादी नियमों के उल्लंघन से बेहतर रिटर्न मिले, लेकिन ऐसे मामले नाममात्र के ही होते हैं।

### ट्रेडिंग के जरूरी सूत्र

1. ट्रेडर के लिए सबसे अहम है भावों की भाषा
2. टेक्निकल एनालिसिस से समझें भावों की धड़कन
3. टेक्निकल एनालिसिस में चार्ट का अध्ययन अहम
4. ट्रेडर को प्राइस व वॉल्यूम का आकलन करना चाहिए
5. टेक्निकल एनालिसिस से ट्रेंड अनुमान लगा सकते हैं

### टेक्निकल व फंडामेंटल एनालिसिस में अंतर

फंडामेंटल एनालिसिस में जहां हम लंबे निवेश के नजरिए से कंपनी के अतीत और वर्तमान को कसौटी पर कसने की कोशिश करते हैं, वहीं टेक्निकल एनालिसिस मूल रूप से भावों की तात्कालिक गणना पर आधारित पद्धति है। इसका उद्देश्य ट्रेडर की मदद करना होता है। फिर चाहे वह ट्रेडर इंट्रा डे हो या फिर शॉर्ट टर्म ट्रेडर। फंडामेंटल एनालिसिस में हम कंपनी की आय, उसके द्वारा दिए गए लाभांश और शोध जैसी बातों को अपने अध्ययन का आधार बना सकते हैं।

### ऐसे करें एनालिसिस

टेक्निकल एनालिसिस में इनमें से कुछ संकेतकों का उपयोग किया जा सकता है लेकिन इसमें मुख्य रूप से कुछ विशेष टूल्स और तकनीक का इस्तेमाल किया जता है। इन विशेष साधनों में एक है चार्ट का अध्ययन। चार्टों के जरिए टेक्निकल एनालिसिस करने वाला ट्रेडर दो अहम चीजों पर ध्यान देता है- पहला प्राइस मूवमेंट और दूसरा शेयर का ट्रेंड। अगर कोई शेयर आपके द्वारा निर्धारित कीमत से दो फीसदी गिर भी जाता है तो मुमकिन है कि वह अपट्रेंड हो। यानी उसमें मुनाफा वसूली या किसी और वजह से थोड़े वक्त के लिए करेक्शन आया हो लेकिन वह जल्द ही फिर से रफ्तार पकड़ सकता है। टेक्निकल एनालिसिस के जरिए हम समझने की कोशिश करते हैं कि किस सीमा के बाद कोई शेयर दिशा बदल सकता है।

### कई तरह के चार्ट पैटर्न

टेक्निकल एनालिसिस में काम आने वाले चार्ट पैटर्न भी कई तरह के होते हैं। जैसे- हेड एंड शोल्डर, डबल टॉप या बॉटम वगैरह। इसके अलावा जो चीज टेक्निकल एनालिसिस में बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है, वह है मूविंग एवरेज। मूविंग एवरेज पर अलग से चर्चा करेंगे, फिलहाल हम आपको उसका एक परिचय देते चलें। मूविंग एवरेज का अर्थ है कि कोई शेयर किसी खास अवधि में किस औसत भाव के साथ मूव कर रहा था। इसका आकलन लगाने में हम कुछ और तकनीकी बिंदुओं पर गौर कर करते हैं, जैसे, सपोर्ट और रेजिस्टेंस। टेक्निकल एनालिसिस के जरिए शेयर के भावों का अर्थशास्त्र समझने में मदद मिलती है।

# शेयर बाजार में क्या है अपर सर्किट और लोअर सर्किट?

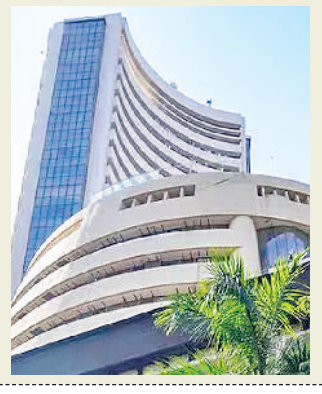

### क्यों घटता-बढ़ता है शेयर का मूल्य?

सामान्य निवेशक इस बात को लेकर कभी कभी बहुत हैरान रहते हैं कि शेयर का मूल्य किस हिसाब से बढ़ता और घटता रहता है। शेयर का मूल्य दो कारणों से बढ़ता या घटता रहता है। पहला कारण शेयर की सप्लाई और डिमांड और दूसरा कारण कंपनी द्वारा मुनाफा कमाना या कंपनी का घाटा। लेकिन, अगर हम स्टॉक ट्रेडिंग में देखें तो शेयर की सप्लाई और डिमांड की वजह से अधिकतर शेयर का मूल्य घटता बढ़ता रहता है। जब भी शेयर की डिमांड बढ़ती है यानी ज्यादा लोग खरीदते हैं तो उसका दाम बढ़ जाता है। और, जब लोग शेयर को बेचना स्टार्ट कर देते हैं तब शेयर का मूल्य घटने लगता है यह इस तरह से काम करता है।

### लोअर सर्किट को ऐसे समझें

मान लीजिए आपके पास किसी कंपनी का शेयर हैं। किसी वर्ष के दौरान उस कंपनी को किसी कारणवश घाटा लगना शुरू हो जाता है। ऐसे में आप उस कंपनी का शेयर बेचने लगेंगे। ऐसे ही बहुत से लोग जो उस कंपनी के शेयर को लिए होंगे वह भी बेचना शुरू कर देंगे। जब सब बेचना शुरू कर देंगे तो एक ही दिन में उस कंपनी का शेयर शून्य तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में शेयर का मूल्य एक निश्चित सीमा तक गिरे इसके लिए एमएसई तथा बीएसई स्टॉक एक्सचेंज ने कुछ नियम बनाए हैं। जिनके अंतर्गत जब किसी कंपनी में अचानक सब लोग शेयर बेचना शुरू कर दें तो एक निश्चित सीमा तक ही उस शेयर का मूल्य घटेगा। उसके बाद उस शेयर की ट्रेडिंग बंद हो जाएगी। यह जो मूल्य घटने की सीमा है, उसे ही लोअर सर्किट कहते हैं।

### कैसे काम करता है अपर सर्किट

अपर सर्किट को एक उदाहरण के जरिए समझते हैं। मान लीजिए कि आपके पास किसी कंपनी के शेयर हैं। उस कंपनी को खूब मुनाफा होता है या किसी कारणवश उस कंपनी में निवेशकों की रूचि बढ़ जाती है। ऐसे में उस कंपनी के शेयर का दाम खूब चढ़ने लगता है। ऐसे में किसी कंपनी के शेयर का मूल्य एक ही दिन में आसमान में पहुंच जाएगा। इसी हालत से बचने के लिए शेयर बाजार में अपर सर्किट का प्रावधान है। उस निश्चित मूल्य सीमा तक उस कंपनी के शेयर का दाम पहुंचते ही उसमें अपर सर्किट लग जाएगा और उसकी ट्रेडिंग बंद हो जाएगी। जिस तरह से लोअर सर्किट पर 10, 15 और 20 फीसदी का नियम लागू होता है, वही नियम अपर सर्किट पर भी लागू होता है। लोअर सर्किट के तीन चरण होते हैं। यह 10 फीसदी, 15 फीसदी और 20 फीसदी की गिरावट पर लगता है। यदि 10 फीसदी की गिरावट दिन में 1 बजे से पहले आती है, तो बाजार में एक घंटे के लिए कारोबार रोक दिया जाता है। इसमें शुरुआती 45 मिनट तक कारोबार पूरी तरह रुका रहता है और 15 मिनट का प्री-ओपन सेशन होता है।

# क्या आपके पीएफ अकाउंट में भी सितंबर-अक्टूबर का कंट्रीब्यूशन नहीं दिख रहा

उन सैलरीड कर्मचारियों को चिंता करने की जरूरत नहीं है जिनके पीएफ पासबुक में सितंबर और अक्टूबर 2025 की सैलरी से कटे पैसे अभी तक नहीं दिख रहे हैं। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने कहा है कि ये सिर्फ एक अस्थायी तकनीकी दिक्कत है, जल्दी ठीक हो जाएगी। ईपीएफओ अपना नया और अपग्रेडेड इलेक्ट्रॉनिक चालान-कम-रिटर्न सिस्टम लॉन्च कर रहा है। इसलिए हाल के महीनों की पीएफ एंट्री फेज में डाली जा रही हैं। इसी वजह से कुछ लोगों की पासबुक में सितंबर-अक्टूबर के पैसे अभी गायब या अधूरे दिख रहे हैं।

### पासबुक लाइट से होगी आसानी

बता दें कि ईपीएफओ ने हाल ही में 'पासबुक लाइट' नाम की नई सुविधा शुरू की है। इसमें आप देख सकते हैं कि आपके खाते में कितना पैसा जमा हुआ, कितना निकला और अभी कितना बचा हुआ है। मतबल जरूरी जानकारी के लिए आसान सुविधा शुरू की गई है। ये सुविधा मेंबर पोर्टल पर ही उपलब्ध है। इसके लिए अलग से पासबुक वाली वेबसाइट पर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। साथ ही इससे ट्रैफिक ज्यादा होने पर भी सिस्टम हैंग भी नहीं होता और जल्दी जानकारी मिल जाती है।

### ई-सेवा पोर्टल पर पीएफ पासबुक कैसे चेक करें

- यूएएन मेंबर ई-सेवा पोर्टल पर जाएं।
- अपना यूएएन, पासवर्ड डालें और ओटीपी से लॉगिन करें।
- डैशबोर्ड पर 'पासबुक लाइट' चुनें, वहां से स्टेटमेंट देखें या डाउनलोड करें।

### उमंग ऐप पर पासबुक कैसे देखें

- उमंगऐप में लॉगिन करें।
- ईपीएफओ सर्विस सर्च करें और 'व्यू पासबुक' पर क्लिक करें।
- यूएएन डालें, ओटीपी से वेरीफाई करें, अपना मेंबर आईटी चुनें और ई-पासबुक डाउनलोड कर लें।

### ऑनलाइन पीएफ क्लेम करने के लिए क्या-क्या चाहिए

- ऑनलाइन क्लेम डालने वाले मेंबर्स को ये चीजें पहले से पूरी करनी जरूरी हैं:
- यूएनएन एक्टिवेट होना चाहिए और उससे जुड़ा मोबाइल नंबर काम कर रहा हो।
- आधार लिंक और ओटीपी से वेरीफाई होना चाहिए।
- बैंक अकाउंट डिटेल्स ईपीएफओ में अपडेट होनी चाहिए।
- अगर सर्विस 5 साल से कम है और फाइनल सेटलमेंट करना है तो पेन भी लिंक होना चाहिए।

**जैसे-जैसे ईपीएफओ नया सिस्टम पूरी तरह लागू करेगा, सितंबर-अक्टूबर 2025 के पीएफ पैसे जल्दी ही सभी की पासबुक में दिखने लगेंगे।**

# यूपीआई वेरिफिकेशन से लेकर 'स्पॉट ए स्कैम' टूल तक, निवेशकों को फ्रॉड से बचाने के लिए सेबी के सुझाव

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत बताई। उन्होंने आगाह किया कि नॉन-रजिस्टर्ड एडवाइजर ग्रुप, लोगों को असुरक्षित कारोबारी माध्यम की ओर आकर्षित कर रहे हैं और इसलिए अवैध कारोबार के मामले नए डिजिटल प्रारूपों में फिर से सामने आ रहे हैं। बीएसई के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि इस दौर में जहां गलत सूचनाएं तथ्यों से अधिक तेजी से प्रसारित होती हैं, यह चुनौती और भी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि इसलिए, निवेशक सुरक्षा को मजबूत करना नियामक की प्रमुख प्राथमिकता बन गया है। योजनाओं की पहचान करने में और अधिक सहायता करने के लिए 'स्पॉट ए स्कैम टूल' पेश किया है, जो यूजर्स की ऑनलाइन प्रामाणिकता सत्यापित करने में मदद करता है। पांडेय ने बताया कि सेबी ने पिछले 18 महीनों में मेटा, गूगल, टेलीग्राम और एक्स सहित सोशल मीडिया एवं सर्च मंचों पर गैरकानूनी या भ्रामक ऑनलाइन सामग्री के एक लाख से अधिक मामलों को चिह्नित किया है। उन्होंने कहा कि इसके अनुरूप विनियमित संस्थाओं को सोशल मीडिया पर अनियमित सलाहकारों के साथ जुड़ने की अनुमति नहीं है, जिससे झूठे दावों व हानिकारक पेशकशों के प्रसार को रोकने में मदद मिलेगी।

### यूपीआई से जुड़ा एक मान्य ढांचा पेश किया

सेबी ने इन प्रयासों के तहत यूपीआई से जुड़ा एक मान्य ढांचा पेश किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पेमेंट सिर्फ सेबी रजिस्टर्ड मध्यस्थों की प्रामाणिक यूपीआई आईडी पर ही किए जाएं। बाजार नियामक ने जांच सुविधा का भी विस्तार किया गया है जिससे निवेशक 'सेबी इन्वेस्टर' वेबसाइट और सारथी मोबाइल ऐप पर बैंक खातों की वास्तविकता की तुरंत पुष्टि कर सकते हैं। यह समझते हुए कि धोखाधड़ी की गतिविधि बिना किसी चेतावनी के हो सकती है निवेशक अब स्वेच्छा से अपने लेनेदने के खातों को 'फ्रीज' या 'ब्लॉक' कर सकते हैं। यह ठीक वैसे ही है जैसे 'हैक' किए गए डेबिट कार्ड को 'ब्लॉक' किया जाता है। यह विकल्प तत्काल सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

### गारंटीड रिटर्न के वादे से रहें सावधान

कारोबार संबंधी धोखाधड़ी वाले ऐप विश्वसनीय लगते हैं, डिजिटल खाते वैधता का दिखावा करते हैं और पक्के रिटर्न का वादा करने वाली ऐसा योजनाएं पेश करते हैं जो कोई भी रेगुलेटेड मार्केट नहीं दे सकता। बाजार नियामक के प्रमुख ने खतरे की गंभीरता को दोहराते हुए कहा कि ऐसे "नॉन-रजिस्टर्ड एडवाइजर ग्रुप, लोगों को असुरक्षित ट्रेड प्लेटफॉर्म की ओर आकर्षित करते हैं और इसलिए अवैध कारोबार के मामले नए डिजिटल प्रारूपों में फिर से सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अवैध कारोबार के मामले कोई छिटपुट घटनाएं नहीं हैं, बल्कि निवेशकों के विश्वास, जिज्ञासा और आकांक्षाओं का फायदा उठाने के समन्वित प्रयास हैं। इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि लोग 'अवसर की आड़ में धोखे' का शिकार न हों।

# पारिवारिक वसीयत में सही हिस्सा नहीं मिला? जानें, क्या है कानून और कोर्ट में क्या माना जाता है सबूत

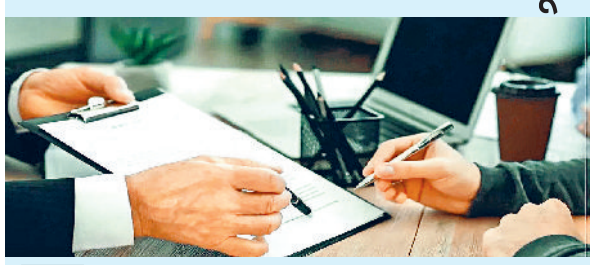

परिवार में वसीयत को लेकर झगड़े अक्सर रिश्तों को बिखेर देते हैं। अगर वसीयत में हिस्से बराबर न हों या लगे कि कोई बाहर से दखल दे रहा था, तो मामला और उलझ जाता है। लेकिन कानून के मुताबिक, सिर्फ असमानता देखकर वसीयत को चुनौती नहीं दी जा सकती। यहां बहुत मजबूत सबूत चाहिए। अगर परिवार पहले से ही सही कदम उठाएं, तो लंबी अदालती लड़ाई और पैसे की बर्बादी से बच सकते हैं। खैतान एंड कंपनी की पार्टनर ज्योति सिन्हा बताती हैं कि ऐसे मामलों में सही जानकारी होना जरूरी है, वरना छोटी-छोटी बातें नजरअंदाज हो जाती हैं।

### छिपे हुए संकेत जो नजर नहीं आते

परिवार वाले अक्सर उन छोटे-छोटे इशारों को मिस कर देते हैं, जो वसीयत में गड़बड़ी की ओर इशारा करते हैं। सिन्हा कहती हैं कि अगर कोई फायदा उठाने वाला शख्स लंबे समय से टेस्टेटर (वसीयत बनाने वाला) के करीब रहा हो और फैसले प्रभावित करने की कोशिश करता दिखे, तो ये दबाव या अनुचित प्रभाव का संकेत हो सकता है। इसके अलावा, वसीयत में हस्ताक्षर में कुछ असामान्य हो, जैसे डॉक्टर का सर्टिफिकेट न होना जो दिमागी हालत की पुष्टि करे, या जहां काट-पीट हुई हो वहां इनिशियल्स न हों, तो ये चेतावनी के घंटे हैं। ये चीजें खुद-ब-खुद वसीयत को अमान्य नहीं बनातीं, लेकिन जांच की जरूरत बताती हैं। सिन्हा की सलाह है कि इन पर गौर करके जल्दी कदम उठाएं, क्योंकि वक्त बीतने पर सबूत गुम हो सकते हैं।

### सबूत जुटाने की जल्दबाजी क्यों?

समय बहुत कीमती है ऐसे मामलों में। सिन्हा कहती हैं कि वसीयत बनाने के वक्त की घटनाओं का टाइमलाइन बनाएं, टेस्टेटर की शारीरिक और मानसिक स्थिति के बारे में जानकारी इकट्ठा करें। असली हस्ताक्षर के नमूने, फोटो, चिट्ठियां या ईमेल जैसे दस्तावेज रखें, जो ये साबित करें कि वसीयत प्राकृतिक है या संदिग्ध। परिवार अक्सर सोचते हैं कि उनके पास जो कागज हैं, वो बेकार हैं, लेकिन सिन्हा की राय है कि सब कुछ वकील को दिखाएं। वो तय करेंगे कि क्या काम आएगा। अगर देर की, तो महत्वपूर्ण चीजें खो सकती हैं।

### अदालतें कैसे काम करती हैं?

जज लोग वसीयत पर दस्तखत करते वक्त की परिस्थितियों को गौर से जांचते हैं। सिन्हा बताती हैं कि क्या टेस्टेटर आजाद था, उसे सब समझ आ रहा था? बीमारी, नशा या कोई ऐसी चीज जो फैसले पर असर डाले, उसकी जांच होती है। अनुचित प्रभाव साबित करना काफी मुश्किल है, क्योंकि कानूनी स्तर ऊंचा है।

### अगर वसीयत से बाहर कर दिया गया तो?

वसीयत से नाम कटना अकेले चुनौती का आधार नहीं होता। सिन्हा कहती हैं कि पहले देखें कि बिना वसीयत के संपत्ति कैसे बंटती। अगर कोई कानूनी वारिस 'अप्राकृतिक बहिष्कार' का दावा करता है, तो वो सेल्फ-अक्वायर्ड संपत्ति के लिए मुश्किल से मान्य होता है, लेकिन पैतृक संपत्ति के लिए काम कर सकता है। ऐसे में कोई कदम उठाने से पहले वकील से बात जरूर करें, क्योंकि मामला जटिल है।

**अलर्ट** हर साल गुजरना पड़ता है इस प्रक्रिया से, जानकारी होना जरूरी

# डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट स्वीकार हुआ या नहीं, इस चिंता में हैं? ऐसे चुटकियों में करें चेक

पेंशन जारी रखने के लिए सालाना लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना एक जरूरी काम होता है। लेकिन, बहुत से बुजुर्गों की सबसे बड़ी चिंता यही रहती है कि उनका डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बैंक या पेंशन डिपार्मेंट ने एक्सेप्ट कर लिया या नहीं। नीचे हम जानेंगे कि यह पूरा सिस्टम कैसे काम करता है, इसमें क्या-क्या जानकारी देनी पड़ती है। साथ ही इसमें सबसे जरूरी काम यह पता करना होता है कि आपका सर्टिफिकेट एक्सेप्ट हो गया या नहीं। लाइफ सर्टिफिकेट एक आधार आधारित डिजिटल सर्टिफिकेट है। इससे पेंशन लेने वाले व्यक्ति के जीवित होने की पुष्टि हो जाती है, वो भी बिना बैंक या डिपार्टमेंट के चक्कर लगाए। जैसे ही आप इसे बनाते हैं, यह इलेक्ट्रॉनिक तरीके से आपके पेंशन देने वाले बैंक या डिपार्टमेंट तक पहुंच जाता है। हर सर्टिफिकेट का एक अलग प्रमाण-आईडी नंबर होता है, जिससे आप और डिपार्टमेंट दोनों उसकी स्थिति देख सकते हैं।

### डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट बनाते समय आपको ये जानकारी डालनी होती है

⏭ आधार नंबर और नाम ⏭ रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर ⏭ पेंशन पेमेंट ऑर्डर नंबर ⏭ पेंशन खाते का नंबर और बैंक का नाम ⏭ पेंशन मंजूर करने वाले डिपार्टमेंट और पेंशन देने वाले बैंक/डिपार्टमेंट का नाम ⏭ इसके बाद फिंगरप्रिंट, आंख की स्कैन या चेहरे की पहचान (बायोमेट्रिक) देनी जरूरी है। अगर कोई भी जानकारी गलत हुई तो सर्टिफिकेट रिजेक्ट हो सकता है। इसलिए बहुत ध्यान से भरें, क्योंकि 30 नवंबर की डेडलाइन नजदीक है।

### चेहरे की पहचान से कैसे बनाएं सर्टिफिकेट

अगर आप फेस ऑथेंटिकेशन तरीका इस्तेमाल करना चाहते हैं तो आपके पास एंड्रॉयड फोन होना चाहिए। दो ऐप डाउनलोड करें **adhaarFaceRD** और **Jeevan Pramaan Face App**।

**आगे ये करें :** आधार से वेरीफाई करें, पेंशन की सारी डिटेल भरें साफ-साफ अपना चेहरा फोटो खिंचवाएं, काम पूरा होने पर आपके रजिस्टर्ड, मोबाइल पर मैसेज आएगा और डाउनलोड लिंक भी मिल जाएगा।

**सबसे जरूरी:** पता करें कि आपका सर्टिफिकेट एक्सेप्ट हुआ या नहीं , सर्टिफिकेट जमा करने के बाद यह जरूर चेक करें कि बैंक/डिपार्टमेंट ने उसे मंजूर किया है या नहीं। तरीका बहुत आसान है। ऑफिशियल वेबसाइट **jeevanpramaan.gov.in** पर जाएं, अपना प्रमाण-आईडी डालकर सर्टिफिकेट डाउनलोड करें, सर्टिफिकेट के सबसे नीचे मैसेज देखें, अगर लिखा हो कि पीडीए ने एक्सेप्ट कर लिया, मतलब काम हो गया।

अगर रिजेक्ट लिखा हो तो तुरंत नया सर्टिफिकेट सही जानकारी और बायोमेट्रिक के साथ बनवाएं।

**अगर दिसंबर से पहले सही सर्टिफिकेट जमा नहीं हुआ तो पेंशन रुक सकती है। इसलिए अभी समय है, आज ही चेक कर लें और जरूरत पड़े तो दोबारा जमा कर दें।**

## खबर संक्षेप

### विजेताओं को प्रमाणपत्र देकर किया सम्मानित

**सोनीपत।** सरस्वती शिक्षा संस्थान सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोनीपत (एस-7) में शनिवार को विभिन्न एक्टिविटी-आधारित प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय प्रबंधन की ओर से प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि एवं शिक्षकों ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

### महलाना में सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र शुरू

**सोनीपत।** गांव महलाना, जिला सोनीपत में सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र की स्थापना हो चुकी है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र में विवादों के शांतिपूर्ण और तेज समाधान का मार्ग सुगम होगा। इस केंद्र का उद्देश्य आपसी झगड़ों, पारिवारिक मतभेदों, भूमि विवादों और अन्य सामाजिक समस्याओं को बातचीत और सहमति के आधार पर निपटाना है, ताकि लोगों को कोर्ट के चक्कर न लगाने पड़ें। यह केंद्र न्याय विभाग हरियाणा सरकार और स्थानीय पंचायत के संयुक्त सहयोग से संचालित होगा। इसके लिए प्रशिक्षित और सम्मानित मध्यस्थ नियुक्त किए गए हैं, जो दोनों पक्षों की बात निष्पक्षता से सुनकर समाधान खोजने में मदद करेंगे। सामुदायिक मध्यस्थता के जरिए ग्रामीणों को कम खर्च में न्याय तक आसान पहुंच मिलेगी।

### सड़क सुरक्षा विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता

**रोहतक।** सुरक्षित ट्रैफिक मिशन हम सबका विषय पर जन आक्रोश संस्था, नागपुर की रोहतक शाखा द्वारा जेपी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-36 सनसिटी में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया । प्रतियोगिता में कक्षा 5वीं से 7वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सड़क सुरक्षा से जुड़े संदेशों को चित्रों और स्लोगनों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान संस्था द्वारा सड़क दुर्घटनाओं और उनसे बचाव संबंधी वृत्तचित्र भी दिखाए गए।

## तीन सत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन, कॉलेज को मिला 11 लाख 53 हजार का सम्मान

# टीकाराम गर्ल्स कॉलेज ने प्राप्त किया द्वितीय स्थान

### मदवि में आयोजित एनुअल स्पोर्ट्स प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन फंक्शन में ओवरऑल स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में लहराया परचम

उपलब्धि में कॉलेज के 68 खिलाड़ियों का योगदान रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

टीकाराम गर्ल्स कॉलेज सोनीपत ने मदवि में आयोजित एनुअल स्पोर्ट्स प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन फंक्शन में ओवरऑल स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में दूसरा स्थान प्राप्त कर प्रदेश में अपना परचम लहराया। कॉलेज को मिले इस सम्मान ने संस्थान का नाम और भी प्रतिष्ठित किया। टीकाराम एजुकेशन सोसायटी के प्रधान सुरेंद्र सिंह दहिया ने कॉलेज प्रशासन और खिलाड़ियों को बधाई देते उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शारीरिक शिक्षा विभाग की अध्यापिका डॉ सुमन मान ने बताया कि यह समारोह 25 नवंबर को मदवि के टैगोर ऑडिटोरियम में आयोजित किया था। कार्यक्रम में सत्र 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के कैश प्राइज वितरित किए गए। तीन सत्रों में कॉलेज को 1.53 लाख का पुरस्कार मिला जबकि खिलाड़ियों को 10 लाख रुपये की राशि दी । कुल मिलाकर टीकाराम गर्ल्स कॉलेज को 11 लाख 53 हजार रुपये की धनराशि से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि में कॉलेज के 68 खिलाड़ियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। टीम मैनेजर डॉ. सुमन मान को भी 2000 रुपये का कैश प्राइज प्रदान किया गया। यह सम्मान मदवि के कुलपति डॉ राजबीर, हरियाणा एजुकेशन मिनिस्टर महिपाल ढांडा, रोहतक मेयर

**सोनीपत।** विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

**सोनीपत।** विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथि साथ में विद्यालय स्टाफ।

**सोनीपत।** प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर ट्राफियों का अनावरण करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष साथ में अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

**सोनीपत।** ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल में इंटर हाउस फुटबॉल चैंपियनशिप की विजेता जगुआर हाउस की टीम प्राचार्या गीता चोपड़ा व खेल इंचार्ज संजीत के साथ।

### भारत क्रिकेट लीग सीजन-2 प्रारंभ

**सोनीपत।** सोनीपत में रविंद्र क्रिकेट अकेडमी ग्राउंड पर शनिवार भारत क्रिकेट लीग सीजन–2 का शुभारंभ हुआ। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए विशेष रूप से आयोजित यह टूर्नामेंट भाजपा सीए सेल हरियाणा और भाजपा सोनीपत सीसीएल के संयुक्त तत्वावधान में होगा। जिला मीडिया प्रभारी एडवोकेट दिनेश अत्री के अनुसार इस बार हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की प्रतिनिधि 12 टीमें भाग ले रही हैं। करीब 200 चार्टर्ड अकाउंटेंट दो दिनों तक रोमांचक मुकाबलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।। 30 नवंबर की शाम को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरीज, बेस्ट बॉलर, बेस्ट बैट्समैन और फेयर प्ले अवार्ड जैसे विशेष सम्मान भी निर्धारित किए गए हैं।

### जगुआर ने प्यूमा हाउस को दी मात

**सोनीपत।** ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) में आयोजित इंटर हाउस फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में जगुआर हाउस की टीम ने पेनाल्टी शूट आउट में प्यूमा हाउस की टीम को 7-5 से शिकस्त देकर खिताब पर कब्जा जमाया। जगुआर हाउस के खिलाड़ियों ने बेहतर तालमेल का प्रदर्शन करते हुए लगातार तीसजी बार यह खिताब हासिल किया। फाइनल मैच निर्धारित समय में 3-3 से बराबर रहा था, जिसके बाद पेनाल्टी शूट आउट का सहारा लिया गया। पेनाल्टी शूट आउट में जगुआर हाउस ने 4 व प्यूमा हाउस ने 2 गोल दागे और इस तरह जगुआर हाउस ने प्यूमा हाउस को 7-5 से पराजित कर विजेता होने का गौरव हासिल किया। स्कूल की प्राचार्या गीता चोपड़ा व उप प्राचार्या रूना दास ने विजेता टीम को ट्राफी प्रदान कर खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। कोऑर्डिनेटर नीरजा, महक व गीता राणा, श्वेता, नमिता, मधु, ज्योति, सोनिया मदान, निशा, सीमा रानी, पारुल, कावेरी, मीनू मौजूद रहे।

### ऋषिकुल वर्ल्ड अकादमी में वार्षिक खेल महोत्सव

**सोनीपत।** ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में वार्षिक खेल उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय के विभिन्न सदनो जल,वायु, अग्नि, पृथ्वी के विद्यार्थियों ने मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया। इसके बाद छात्रों द्वारा मशाल प्रज्ज्वलन के साथ ही हेड गर्ल ने सभी प्रतिभागियों को खेल एवं खेल-भावना बनाए रखने की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्य अतिथि सोनीपत मेयर राजीव जैन व विद्यालय संस्थापक एसके शर्मा के साथ संदीप कौशिक, राजेश सारस्वत, मीनू हुड्डा, मनजीत खासा, पीके धीमान, नीरज शर्मा, रीमा शर्मा, चंचल शर्मा, पार्थ शर्मा, मीनू शर्मा उपस्थिति रहीं, जिन्होंने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने डंबल, लेजियम, योग, तथा मार्शल आर्ट के माध्यम से विभिन्न सामाजिक व स्वास्थ्य-संबंधी संदेश दिए। ये सभी प्रस्तुतियां अद्भुत, अविस्मरणीय और प्रेरणादायक रहीं। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजयी प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया, जिससे वे स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे थे। विद्यालय प्रबंधक नीरज शर्मा ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को शुभकामनाएं दी।

### शिव मॉडर्न स्कूल में अंतर्सदनीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

**सोनीपत।** शिव मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस अंतर्सदनीय प्रतियोगिता का शुभारंभ राष्ट्रगान से किया गया। प्रतियोगिता की मशाल प्रज्ज्वलित करके चारों सदन श्रीकंठा, शंकरा, अभिगम्या, एवं अभिवन्द्या ने विद्यालय के चेयरमैन अजमेर सिंह का स्वागत किया। अजमेर सिंह ने चारों सदन के कैप्टन को शुभकामनाएं देते हुए प्रतियोगिता आरंभ करने की घोषणा की, तथा खेल को खेल की भावना से खेलने की प्रेरणा दी। प्रथम दिवस खेल प्रतियोगिता के प्रमुख आकर्षण 100 मीटर दौड़, बाधा दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, कबड्डी, खो-खो, सेक रेस, थ्री लेग रेस, आदि थे। वहीं दूसरे दिन भी प्रतियोगिता अत्यंत रोचक एवं बराबरी के मुकाबले की थी। रामअवतार वाल्मीकि, ओलिंपियन मेडलिस्ट और अर्जुन अवार्डी बबिता फौगाट तथा स्पोर्ट्स डायरेक्टर डॉ. शुकंतला बेनीवाल की उपस्थिति में प्रदान किया । प्राचार्या गीता, एचओडी शारीरिक विभाग डॉ. सुमन मान, स्पोर्ट्स कमेटी सदस्य कंचन सीधर, डॉ. सविता, अनीता राठी, डॉ. अलका दहिया, सविता कुहार, डॉ. मोनिका और कॉलेज खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी।

**सोनीपत।** शिवा मॉर्डन स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगता में हिस्सा लेते प्रतिभागी।

## पत्रिका 'आलोक स्तम्भिका' का विमोचन

- लोकार्पण जीवीएम समूह के अध्यक्ष और प्राचार्या ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में वर्ष 2025 की कॉलेज पत्रिका 'आलोक स्तम्भिका' का भव्य विमोचन किया गया। पत्रिका का लोकार्पण जीवीएम समूह के अध्यक्ष डॉ. ओपी परूथी एवं कॉलेज की प्राचार्या डॉ. मंजुला स्पाह द्वारा किया गया। इस अवसर पर दोनों ने पत्रिका संपादकीय टीम के प्रयासों की सराहना की और विद्यार्थियों की साहित्यिक एवं रचनात्मक प्रतिभा को खुलकर व्यक्त करने के लिए ऐसे मंच को महत्वपूर्ण बताया। उल्लेखनीय 'आलोक स्तम्भिका' वर्ष 1988 से हर वर्ष निरंतर प्रकाशित हो रही है और इस प्रकार यह संस्थान की समृद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक बन चुकी है। कॉलेज पत्रिका छात्रों के रचनात्मक लेखन, कला, शैक्षणिक उपलब्धियों, शोध, सामाजिक गतिविधियों और कॉलेज की वार्षिक उपलब्धियों को एक ही मंच पर प्रस्तुत करती है। पत्रिका के नवीन संस्करण में छात्राओं की कहानियां, कविताएं, निबंध, लेख, प्रेरक अनुभव और कॉलेज गतिविधियों का दस्तावेजी संकलन शामिल है। विमोचन के दौरान प्राचार्या डॉ. मंजुला स्पाह ने कहा कि छात्राओं में बौद्धिक एवं रचनात्मक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रकाशन को हमेशा प्रोत्साहन मिलता रहेगा।

**सोनीपत।** पत्रिका का विमोचन करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

### हमेशा प्रोत्साहन मिलता रहेगा

## पुलिस ने बच्चा सकुशल ढूंढ़कर परिजनों को सौंपा

- राई थाना क्षेत्र से लापता हुआ था बच्चा, त्वरित कार्रवाई से परिवार में लौटी खुशियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत जिले के राई थाना क्षेत्र में 4 वर्षीय बच्चा अचानक लापता हो गया, जिसके बाद परिवार में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मामले की सूचना मिलते ही राई थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की और कुछ ही समय में बच्चे को सुरक्षित ढूंढकर उसके परिजनों को सौंप दिया। बच्चा सकुशल मिलने से परिवार के चेहरों पर खुशियां लौट आईं और उन्होंने पुलिस का धन्यवाद किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहम्मद जहांगीर, निवासी मेटन टोला थाना तारावाड़ी जिला अररिया, बिहार, वर्तमान में एचएसआईआईडीसी राई में रहते हैं। उन्होंने शनिवार को थाना राई पुलिस को बताया कि 28 नवंबर को वह अपनी ड्यूटी पर गए थे और उनकी पत्नी घर पर मौजूद थी। उनका 4 वर्षीय बच्चा रोजाना की तरह झुग्गी के बाहर खेलने गया था, लेकिन देर तक घर वापस नहीं लौटा। उसकी मां ने आसपास तलाश की, परंतु बच्चे का कोई पता नहीं चला। बाद में मोहम्मद जहांगीर के घर लौटने पर भी उन्होंने परिजनों के साथ देर रात तक बच्चे की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद थाना राई में मामला दर्ज किया गया।

**सोनीपत।** बच्चे को परिजनों के हवाले करते पुलिस कर्मी। *फोटो :हरिभूमि*

### आभार व्यक्त किया

सूचना पर कार्रवाई करते हुए राई थाना की अनुसंधान टीम, उप निरीक्षक नरेंद्र के नेतृत्व में, बच्चे की खोज में जुट गई। पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर तलाश अभियान चलाया और आखिरकार राई इंडस्ट्रियल क्षेत्र से बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। नियमानुसार कार्रवाई पूरी करने के बाद बच्चे को उसके माता-पिता के हवाले कर दिया गया। बच्चे के सुरक्षित मिलने पर परिजन भावुक हो उठे और सोनीपत पुलिस का आभार व्यक्त किया।

## सप्तशक्ति संगम में मनमोहक प्रस्तुतियों से किया मंत्रमुग्ध

- गांव बरोदा में गीता विद्या मंदिर शिशु वाटिका–2 में कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

गीता विद्या मंदिर शिशु वाटिका–2 में शनिवार को 'सप्तशक्ति संगम' कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित हुआ। कार्यक्रम में शिक्षिकाओं ने हम ही मातृशक्ति हैं शीर्षक से मनमोहक प्रस्तुति दी।

सप्तशक्ति संगम के मुख्य अतिथि प्राचार्य अश्वनी कुमार, शिशु वाटिका प्रांत प्रमुख सुनीता वर्मा और विशिष्ट अतिथि संतोष, अध्यक्ष मन्नू दूहन, साबो, विमला और अनीता थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती वंदना के साथ हुआ। प्रभारी मीनाक्षी ने अतिथियों का परिचय करवाया। प्रांत प्रमुख सुनीता वर्मा ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की। मुख्य वक्ता रजनी ने कुटुंब प्रबोधन तथा भारतीय पर्यावरण दृष्टि पर प्रेरक विचार साझा किए। कार्यक्रम में महिलाओं के उत्साहवर्धन हेतु प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया और विजेता मातृशक्ति को सम्मानित भी किया गया। इस आयोजन में 100 से अधिक माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संचालन मीनाक्षी ने किया।

**गोहाना।** कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

## स्प्रेड स्माइल फाउंडेशन ने सरकारी स्कूल के बच्चों को भेंट की जर्सियां

- सर्दी में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए संस्था की पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

स्प्रेड स्माइल फाउंडेशन ने शनिवार को सरकारी स्कूल रेवली में पहुंचकर कक्षा पहली से आठवीं तक के करीब 170 बच्चों को जर्सी और बिस्कुट भेंट किए। संस्था के सदस्यों ने बताया कि सर्दी का मौसम शुरू होते ही कई बच्चे पर्याप्त गर्म कपड़ों के अभाव में स्कूल नहीं आ पाते। स्कूल के मास्टर से बातचीत में जर्सियों की आवश्यकता की जानकारी मिलने पर संस्था ने तुरंत सहयोग जुटाकर बच्चों के लिए जर्सियां उपलब्ध कराईं।

संस्था का प्रयास है कि सर्दी में कोई भी बच्चा ठिठुरे नहीं। इसी कड़ी में जल्द ही झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले बच्चों तक भी जर्सी, जुराब और टोपियां पहुंचाई जाएंगी। इस कार्यक्रम में रमेश जैन, विनोद जैन, श्रीपाल जैन, डॉ सुरेश जैन, रोहित, कविता, आरती, साक्षी और व्योम सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

**सोनीपत।** बच्चों को जर्सी भेंट करते फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं सदस्य।

## शिक्षक-अभिभावक बैठक : छात्रों को दिए परीक्षा की तैयारी के टिप्स

- उत्तर पुस्तिकाएं अभिभावकों को दिखाई, कमियों, प्रगति और सुधार पर चर्चा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

जेएलएन विद्यालय, गोहाना में शनिवार को शिक्षक-अभिभावक बैठक आयोजित हुई। बैठक में अभिभावकों को उत्तर पुस्तिकाएं दिखाई गई और कमियों, प्रगति और सुधार पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी के टिप्स भी दिए गए। अध्यक्षता विद्यालय के एमडी सुनील शर्मा और प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा ने की। संयोजन उप प्राचार्य सूरत शर्मा का रहा। प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा ने भी बैठक में भाग लिया और बच्चों की पढ़ाई के प्रति सकारात्मक वातावरण, नियमित स्टडी सिटिंग, स्क्रीन टाइम नियंत्रण, सही भोजन, नींद और लक्ष्य निर्धारण पर उपयोगी सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय और अभिभावकों की संयुक्त भूमिका ही बच्चों को आत्मअनुशासित, आत्मविश्वासी और सफल बनाती है।

**गोहाना।** अभिभावकों को विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाएं दिखाते हुए शिक्षक। *फोटो : हरिभूमि*

### दहेज मुक्त विवाह से दिया बड़ा सामाजिक संदेश

## सादगी: ओलंपियन रवि ने एक रुपये में की सगाई

सादगी भरे आयोजन को लेकर जबरदस्त उत्साह का माहौल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय कुश्ती मंच पर देश का नाम रोशन करने वाले गांव नाहरी के ओलंपियन रवि दहिया ने अपने जीवन के सबसे बड़े फैसले विवाह में भी सादगी और सामाजिक मूल्यों की एक अनूठी मिसाल पेश की है। शनिवार को रवि दहिया ने महज एक रुपये की रस्म अदा कर किसान परिवार की बेटी रिचा के साथ सगाई और लगन लेकर, समाज को यह प्रेरक संदेश दिया कि एक सफल वैवाहिक जीवन की नींव प्यार, विश्वास और संस्कारों पर टिकी होती है, न कि दहेज और दिखावे पर।

रवि दहिया, जिन्होंने ओलंपिक में अपनी दमदार परफॉर्मेंस से देश का गौरव बढ़ाया था, अब अपनी नई पारी में एक सामाजिक आदर्श प्रस्तुत कर रहे हैं। उनके इस फैसले ने खेल प्रेमियों, युवा वर्ग और विशेष रूप से हरियाणा जैसे क्षेत्रों में नई सोच को जन्म दिया है, जहां अक्सर विवाह में दहेज और प्रदर्शन की प्रथा हावी रहती है।

**सोनीपत।** सगाई समारोह के दौरान रवि दहिया। *फोटो :हरिभूमि*

### रविवार को बिलबिलान रवाना होगी बारात

रवि दहिया रविवार को अपनी जीवनसंगिनी रिचा के साथ सात फेरे लेंगे। उनकी बारात सोनीपत से गांव बिलबिलान के लिए रवाना होगी, जहां रिचा एक किसान परिवार से आती हैं और वर्तमान में स्नातकोत्तर (पोस्ट ग्रेजुएशन) की पढ़ाई कर रही हैं। परिवार, गांव और खेल जगत में इस सादगी भरे आयोजन को लेकर जबरदस्त उत्साह का माहौल है। शनिवार को आयोजित सगाई समारोह को सौम्यता और सरलता से भरा रखा गया, जिसने सभी उपस्थित मेहमानों का मन मोह लिया।

### सगाई समारोह में दिग्गज हस्तियों की मौजूदगी

रवि दहिया के इस महत्वपूर्ण आयोजन में राजनीतिक और खेल जगत की कई जानी-मानी शख्सियतों ने भाग लिया और नवदंपति को आशीर्वाद दिया। समारोह में रोहतक से सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, राई विधायक कृष्णा गहलावत, महाबली सतपाल, ओलंपियन योगेश्वर दत्त, दिल्ली से विधायक कुलवंत राणा जैसे प्रमुख चेहरे उपस्थित रहे। इसके अलावा, अरुण पहलवान, पूर्व चेयरमैन कुलदीप, पदम सिंह दहिया, डॉ. सतबीर, साहब सिंह दहिया, रामनिवास आर्य, पूर्व प्रधान रविंद्र, राजेंद्र दहिया सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

## गतिविधियां एड्स से जुड़ी गलतफहमियों को दूर करने में निभाएंगी अहम भूमिका : संजीत

- स्कूल में हुआ सुरक्षित समाज जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

द स्टैनफोर्ड स्कूल, थाना खुर्द में एचआईवी/एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने जागरूकता से जुड़े पोस्टर, स्लोगन प्रस्तुति और छोटी–छोटी गतिविधियों के माध्यम से एचआईवी/एड्स से जुड़े मिथकों व सावधानियों पर संदेश दिया। निफ्टेम की तरफ से मार्गदर्शन हेतु डॉ.सारिका यादव, एम टेक विद्यार्थी आकाश, रिया, आदित्य तथा बी टेक विद्यार्थी रिया, अजय, निर्मला, अमन और मल्हार उपस्थित रहे। विद्यालय चेयरमैन उत्सव दहिया ने कहा कि जागरूकता की असली शक्ति विद्यार्थी होते हैं। निदेशक पूजा उत्सव दहिया ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूत करते है। प्रधानाचार्य संजीत नैन ने कहा कि छात्रों द्वारा प्रस्तुत गतिविधियाँ एचआईवी/एड्स से जुड़ी गलतफहमियों को दूर करने में अहम भूमिका निभाएंगी। इस अवसर पर शिक्षक मंजू, आदेश और गौरव भी उपस्थित रहे।

**खरखौदा।** जागरूकता रैली में भाग लेते विद्यार्थी। *फोटो :हरिभूमि*

## खबर संक्षेप

खरखौदा। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते प्राचार्या सुमन दहिया।

### योग व व्यायाम को बनाए दिनचर्या का हिस्सा : सुमन

**खरखौदा।** दिल्ली मार्ग स्थित जेबीएच स्कूल में शारीरिक गतिविधियां प्रतियोगिता करवाई गई। जिसमें पहली से कक्षा पांचवी तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें विद्यार्थियों ने अलग-अलग प्रकार की शारीरिक गतिविधियों में भाग लिया। इसके साथ ही विद्यार्थियों को शारीरिक गतिविधि और व्यायाम के लाभ भी बताएं गए। इस प्रतियोगिता में सभी कक्षाओं से अच्छा प्रदर्शन करने वाले अलग-अलग विद्यार्थियों को विजेता चुना गया।

सोनीपत। श्रमिकों को सामान वितरित करते हुए ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं सदस्यगण। फोटो : हरिभूमि

### ईंट भट्ठों के प्रवासी श्रमिकों को जागरूक किया

**सोनीपत।** संस्था सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया के जिला अध्यक्ष सुरेश वत्स की अगवाई में संस्था के सदस्यों ने छहतेरा माजरा में ईंट भट्ठों के प्रवासी श्रमिकों को जागरूक किया। दिलबाग सिंह प्राध्यापक ने कहा कि आप स्वच्छता व शिक्षा पर विशेष ध्यान रखें और अपने बच्चों को नजदीक के विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेजें। जिला अध्यक्ष सुरेश वत्स ने नशा न करने के बारे में बताया कि नशा करने से शरीर में कई प्रकार की बीमारियां हो जाती हैं।

सोनीपत। छोटूराम आर्य महाविद्यालय में कार्यक्रम के दौरान वक्ता एवं प्रतिभागी विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

### विद्यार्थियों ने लिया नशा मुक्त समाज का संकल्प

**सोनीपत।** छोटूराम आर्य महाविद्यालय सोनीपत में वाईआरसी की संयोजिका डॉ. रितु दहिया के निर्देशन में ड्रग अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वाईआरसी वॉलिंटियर वंश, दिव्या और रवि ने नशे से दूर रहने के महत्व पर अपने विचार रखे और छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि नशा न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि व्यक्ति के भविष्य और परिवार पर भी गहरा प्रभाव डालता है। कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशामुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया।

प्रदेश के सहकारिता कारागार व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने किया तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव का शुभारंभ

# सकारात्मक जीवन जीने की कला सिखाती हैं गीता की शिक्षाएं

## सुभाष स्टेडियम में हुआ जिला स्तरीय गीता महोत्सव का आगाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सुभाष स्टेडियम में शनिवार को जिला स्तरीय गीता महोत्सव का शुभारंभ हुआ। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने विधायक निखिल मदान के साथ दीप जलाकर तीन दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने गीता के पवित्र ग्रंथ पर पुष्प अर्पित किए। मंत्री के साथ उनकी पत्नी रीटा शर्मा में मौजूद रही। उन्होंने सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की गीता महोत्सव पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भगवद्गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं बल्कि जीवन का विज्ञान, कर्तव्य का सार और संकटों में साहस का आधार है। कुरुक्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण की ओर से अर्जुन को दिया गया दिव्य संदेश मानवता के लिए पथ-प्रदर्शक है। गीता की शिक्षाएं हमें कर्तव्य, धैर्य, आत्मबल, कर्मयोग व सकारात्मक जीवन जीने की कला सिखाती हैं। सरकार ने जेलों में भी गीता के उपदेशों को पहुंचाने का निर्णय लिया है। इससे बंदियों को आत्मचिंतन, आत्मसुधार और जीवन को नई दिशा देने का अवसर मिलेगा। मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव तेजी से वैश्विक स्तर पर फैल रहा है।

सोनीपत। गीता जयंती कार्यक्रम के दौरान मंत्री, विधायक साथ में अधिकारीगण तथा गीता जयंती कार्यक्रम में प्रस्तुति देती कलाकार। फोटो : हरिभूमि

### बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दी प्रस्तुति

गीता जयंती समारोह का वातावरण उस समय और भी मनमोहक हो गया जब लोक कलाकारों ने अपनी पारंपरिक धुनों और गीतों से पंडाल में समा बांधा। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने प्रस्तुत गीत व नृत्य विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। कलाकारों और बच्चों की प्रस्तुतियों ने गीता के आदर्शों, संस्कृति और समृद्ध विरासत को खूबसूरती से अभिव्यक्त किया।

**देवेंद्र सूरा टीम ने बांटे पौधे, निशुल्क की रक्त जांच:** समारोह के दौरान पर्यावरण मित्र मंडली द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती स्टाल को लोगों ने खूब सराहा। पर्यावरण मित्र देवेंद्र सूरा की टीम ने लोगों को पेड़ों के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने लोगों को पेड़-पौधे भी वितरित किए। समारोह में स्वास्थ्य विभाग और वर्मा पैथ लैब ने स्टॉल लगाकर लोगों को निशुल्क रूप से रक्तचाप, मधुमेह और एचआईवी टेस्ट की सुविधा प्रदान की है।

### विपत्तियों में सहारा देती है गीता : विधायक मदान

विधायक निखिल मदान ने कहा कि पवित्र ग्रंथ गीता हमें जीवन में सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते रहने की नई प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि गीता विपत्तियों में सहारा देती है। जीवन में विपत्तियों, अंधकार व कठिनाई होती है तो गीता हमें राह दिखाती है। गीता के छोटे से सार को पढने के बाद हमारे जीवन के हर संशय को दूर किया जा सकता है। बच्चे व युवा देश के कर्णधार व भविष्य हैं उन्हें गीता के ज्ञान को जीवन में अवश्य समाहित करना चाहिए। इससे पहले हवन में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, विधायक निखिल मदान, अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन, नगराधीश डॉ. अनमोल आहुति दी। आचार्य वेदनिष्ठ ने हवन संपन्न करवाया। मंच संचालन प्रो. सुभाष सिसोदिया ने किया।

**गीता पर आधारित पेंटिंग आयोजित, मुकुल विजेता:** पहले दिन जिला स्तरीय गीता जयंती समारोह का रंगारंग आगाज हुआ। गीता पर आधारित पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी अद्भुत कला और आध्यात्मिक समझ का बेहतर प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कोर्ट रोड स्थित हिंदू स्कूल में दसवीं कक्षा के छात्र मुकुल ने प्रथम स्थान हासिल किया। मंत्री ने विजेताओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राई। विधायक पवन खरखौदा, मेयर राजीव जैन तथा निगम पार्षद पुनीत राई विकास कार्यों का शुभारंभ करते हुए। फोटो : हरिभूमि

# लीवान में 2.19 करोड़ से होंगे विकास कार्य

## पीने के पानी व गलियों का निर्माण कार्य शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ राई

- विधायक पवन खरखौदा, मेयर राजीव जैन तथा निगम पार्षद पुनीत राई ने विकास कार्यों का शुभारंभ किया

नगर निगम सोनीपत के वार्ड-8 के गांव लीवान में सोमवार को लगभग 2 करोड़ 19 लाख रुपये की लागत से विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के तहत 75 लाख रुपये की लागत से यमुना पेयजल लाइन और 1 करोड़ 44 लाख रुपये की लागत से गलियों के निर्माण कार्य का कार्यारंभ विधायक पवन खरखौदा, मेयर राजीव जैन तथा निगम पार्षद पुनीत राई ने स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति में किया। विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि, गांव लीवान में लंबे समय से लोगों की पेयजल व सड़क संबंधी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जा रहा है। आने वाले समय में और भी विकास कार्य पूरे कराए जाएंगे। मेयर राजीव जैन ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र का संतुलित विकास हमारी पहली प्राथमिकता है। किसी भी वार्ड को विकास में पीछे नहीं रहने दिया जाएगा। निगम पार्षद पुनीत राई ने कहा कि यह कार्य ग्रामीणों के सहयोग से समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएंगे। लीवान को मॉडल गांव बनाने की दिशा में यह बड़ा कदम है। इस मौके पर डब्बू सरोहा, देव सरोहा, संदीप पाल, धर्मेन्द्र पाल, बॉबी वाल्मीकि, प्रदीप पूर्व सरपंच, जयकरण, नीरज सरोहा, सनी सरोहा, प्रवीण, राकेश कौशिक, सुरेश त्यागी, मोहित दहिया आदि मौजूद थे।

# रौनक स्कूल में संस्कृत श्लोक उच्चारण प्रतियोगिता, शौर्य सदन रहा प्रथम

गन्नौर। अंतर सदन संस्कृत श्लोक उच्चारण प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को सम्मानित करते हुए शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

**गन्नौर।** रौनक पब्लिक स्कूल, गन्नौर में अंतर सदन संस्कृत श्लोक उच्चारण प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि विकसित करना और शुद्ध उच्चारण, स्वर, लय एवं भावाभिव्यक्ति को सुदृढ़ करना रहा। प्रतियोगिता में विद्यालय के सभी सदनों के विद्यार्थियों ने भाग लिया । निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन को विभिन्न मानकों पर परखते हुए शौर्य सदन को प्रथम, करम सदन को द्वितीय तथा विवेक सदन को तृतीय स्थान प्रदान किया। वहीं ध्येय सदन को चतुर्थ स्थान मिला। विद्यार्थियों में संस्कृत श्लोकों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता भी बढ़ती दिखाई दी। विद्यालय की प्राचार्या रजनी शर्मा ने कहा कि संस्कृत हमारी संस्कृति की मूल आत्मा है और इस भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विद्यार्थियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों में भाषाई दक्षता के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ाती हैं। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता सदनों को सम्मानित किया गया।

गोहाना। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए शिक्षक।

### प्रस्ताव लेखन और भाषण प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

- एमआर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्रस्ताव लेखन और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित

**गोहाना।** गोहाना-महम मार्ग पर गांधीनगर स्थित एमआर पब्लिक स्कूल में शनिवार को प्रस्ताव लेखन और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में कक्षा 5वीं से कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। मार्गदर्शन स्कूल के एमडी राजबीर शर्मा का रहा। प्रतियोगिताओं की अध्यक्षता प्राचार्या अनीता शर्मा ने की। प्रस्ताव लेखन और भाषण प्रतियोगिताएं एआई शिक्षा, सोशल मीडिया के बदलाव, मानवता, मानसिक स्वास्थ्य, इंटरनेट और शिक्षा का अधिकार विषयों पर आधारित रहीं। प्रस्ताव लेखन प्रतियोगिता में कक्षा 5वीं से नीतू, कक्षा छठी से नैनो, कक्षा 7वीं से आनिया, कक्षा 8वीं से तरन, कक्षा 9वीं से पूजा, कक्षा 10वीं से दीपांशु, कक्षा 11वीं से जिया और कक्षा 12वीं से मुस्कान प्रथम रहे। भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 8वीं से अरमान और कक्षा 9वीं से नैंसी ने प्रथम स्थान हासिल किया। संयोजन अंजू सरोहा और अनीता सैनी का रहा।

# राजलू गढ़ी का विदेह राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में दिखाएगा प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

- फुटबॉल खिलाड़ी विदेह एसएस आधुनिक स्कूल, भोगीपुर राजलू गढ़ी का छात्र है

उपमंडल के गांव राजलू गढ़ी के होनहार फुटबॉल खिलाड़ी विदेह ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए अंडर-14 राष्ट्रीय फुटबॉल टीम में जगह बनाई है। 1 से 6 दिसंबर तक मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगा । विदेह, राजलू गढ़ी खेल नर्सरी में नियमित रूप से अभ्यास करता है और प्रशिक्षण सुविधाओं का लाभ उठाते हुए उसने यह उपलब्धि हासिल की है। विदेह एस.एस. आधुनिक स्कूल, भोगीपुर राजलू गढ़ी का छात्र है। उसके चयन की जानकारी मिलते ही विद्यालय में खुशी का माहौल देखने को मिला। स्कूल प्रबंधक नवीन राठी, कोच मनजीत राठी, स्कूल स्टाफ और विद्यार्थियों ने उसे राष्ट्रीय स्तर पर चयन होने पर बधाई दी। विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि विदेह की यह सफलता पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है और वह हरियाणा टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए आने वाली प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगा। विदेह के परिवार में भी चयन की खबर से उत्साह है। उसके दादा त्रिलोक चंद शर्मा ने स्कूल प्रबंधन और कोच मनजीत राठी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विदेह ने मेहनत और अनुशासन के बल पर यह मुकाम हासिल किया है।

गन्नौर। स्कूल प्रबंधक नवीन राठी, कोच मनजीत राठी का रवाना होने से पूर्व स्कूल में स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

# शारीरिक व मानसिक विकास के लिए खेल जरूरी : विकास

- मदीना गांव स्थित डीबीएम पब्लिक स्कूल में स्पोटर्स मीट : 2025 का शुभारंभ

**गोहाना।** मदीना गांव में गोहाना-महम मार्ग स्थित डीबीएम पब्लिक स्कूल में शनिवार को स्पोट्र्स मीट : 2025 का शुभारंभ हो गया। खेलों का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि स्कूल के चेयरमैन विकास मलिक ने मशाल जलाकर किया। खेलों में स्कूल के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता करके अपनी खेल प्रतिभा का सराहनीय प्रदर्शन किया। चेयरमैन विकास मलिक ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक अपितु सामाजिक विकास के लिए भी आवश्यक हैं। खेलों में भाग लेने से मानसिक तनाव कम होता है और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। खेलों से टीमवर्क काम करने की भावना के साथ अनुशासन जैसे गुणों का विकास भी होता है। विकास मलिक ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी कॅरियर निर्माण के लिए प्रेरित किया। स्पोट्र्स मीट के पहले दिन विद्यार्थियों ने 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, 800 मीटर दौड़, 1600 मीटर दौड़, रिले दौड़, खो-खो और कबड्डी सहित अन्य खेल प्रतियोगिताओं में सराहनीय प्रदर्शन किया।

गोहाना। मशाल जलाकर स्पोट्र्स मीट का शुभारंभ करते हुए चेयरमैन विकास मलिक। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।



हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

| साईज | संस्करण | विशेष छूट राशि |
|---|---|---|
| 5 X 8 सें.मी<br>10X 8 सें.मी | स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर | रु. 2000/-<br>रु. 2500/- |

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

# ईमानदारी केवल चरित्र का आभूषण नहीं न्याय और प्रतिष्ठा की बुनियाद : सीजेआई

- देश के मुख्य न्यायधीश सूर्यकांत पहुंचें सोनीपत, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी रहे मौजूद

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

देश के मुख्य न्यायधीश सूर्यकांत अपनी नियुक्ति के बाद पहली बार सोनीपत पहुंचें। एक निजी यूनिवर्सिटी में पहुंचें न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने ईमानदारी और नैतिकता के महत्व पर बेहद प्रभावी संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि ईमानदारी केवल चरित्र का आभूषण नहीं है, बल्कि न्याय और प्रतिष्ठा की बुनियाद है, और इसे कभी भी त्यागा नहीं जाना चाहिए। मुख्य न्यायधीश ने कहा कि कानून का अध्ययन कठिन भी है और प्रेरणादायक भी। प्रिय छात्रों, याद रखें कि आप भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। संविधान तब तक जीवित रहेगा, जब तक आपकी नैतिकता इसे संबल देती रहेगी। उन्होंने कहा कि कानून का अभ्यास हमेशा सत्य और ईमानदारी के मूल सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने वर्तमान समय की चुनौतियों पर बोलते हुए कहा कि यह सत्य और शोर का युग है, जहां डीपफेक भ्रम उत्पन्न करते हैं, गलत सूचना तेजी से फैलती है, और डिजिटल गिरफ्तारियां आम होती जा रही हैं। ऐसे दौर में ईमानदारी केवल आदर्श नहीं, बल्कि अस्तित्व का साधन है और वास्तविक सफलता का सबसे वैध मार्ग है। उन्होंने कहा कि जब भी कोई याचिका हमारे सामने आती है, हम केवल तथ्यों और कानून पर विचार नहीं करते, बल्कि उस संवैधानिक वादे को भी स्मरण रखते हैं, जो हमने 26 नवंबर 1949 को स्वयं से किया था। हमारा उद्देश्य न्याय के माध्यम से एक बेहतर भारत का निर्माण करना है।



सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें सीजेआई और केंद्रीय विधि मंत्री का स्वागत करते हुए सांसद एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

### ये रहे मौजूद

इस दौरान न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश एमएम सुंदरेश, पीएस नरसिम्हा, दीपांकर दत्ता, संजय करोल, राजेश बिंदल, अरविंद कुमार, प्रशांत कुमार मिश्रा, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, एन. कोटिस्वर सिंह, आर. महादेवन और जॉयमाल्या बागची के अलावा सांसद नवीन जिंदल आदि मौजूद रहे।

FIMS HOSPITAL
FIMS 'Nurturing Life'
NABH



Department of Respiratory, Pulmonary & Sleep Medicine
छाती व फेफड़े रोग सम्बंधित सभी बिमारियों का इलाज व जाँच जैसे :-
◇ टी.बी., दमा, पुरानी खाँसी व खाँस्ते हुए खून आना।
◇ COPD & ब्रोंकाइटिस (Bronchitis) व वायुस्फीति (Emphysema).
◇ निमोनिया (Pneumonia) फेफड़ों का इनफेक्शन, रेस्पिरेटरी फेलियर (ARDS) व कोरोना वायरस (Covid 19) का ईलाज।
◇ फेफड़ों के कैंसर की जांच व ईलाज।
◇ साँस की नली से फेफड़ों की दूरबीन द्वारा जाँच (Bronchoscopy).
◇ फेफड़ों के साँस लेने की क्षमता की जाँच (PFT).
◇ सोते समय साँस रूकना (Obstructive Sleep Apnea) व स्लीप स्टडी (Sleep Study)
◇ तम्बाकू छोड़ने में मदद, सलाह व जागरूकता (Tobacco Quitting Programme).
(Scan the QR code to learn more)
Dr. Mandeep Singh
MBBS, MD, DNB, FNB(Critical Care), IFCCM, IDCCM, EDIC
OPD :- Mon to Sat 11AM - 2PM
फिम्स अस्पताल
बहालगढ़–सोनीपत रोड, सोनीपत, हरियाणा–131001
www.fimssonipat.com | 0130-2205000 | Follow us:
"On panel of CGHS, Haryana Govt., ESIC, ECHS, Delhi Gov, Railway, NDMC, DJB, FCI, MCD, AAI, DTL, DTC, TPDDL, Raksha, Star, and all Major Insurance Companies, TPAs, & PSUs."

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 30 नवंबर 2025

सुदृढ़ संचार व्यवस्था हो या सामरिक सुरक्षा का मामला, कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी की बात हो या प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान लगाना हो, इन सबके लिए स्पेस टेक्नोलॉजी में नित नई ऊंचाई छूना जरूरी है। इस दिशा में इसरो निरंतर अग्रसर है। यही नहीं विश्व की स्पेस सुपर पावर बनने के लिए भी इसरो के पास कई इंपॉर्टेंट प्रोजेक्ट्स और प्लानिंग्स हैं। इन सभी पर एक विस्तृत नजर।

## अंतरिक्ष में नई ऊंचाई छूने के लिए
# निरंतर अग्रसर इसरो

{ कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव }

इसरो द्वारा तीन साल के भीतर अंतरिक्षयान निर्माण की तीन गुनी क्षमता का लक्ष्य निर्धारण, भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा का पूर्वाभास है। यदि यह हासिल हो जाता है, तो भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी भी न सिर्फ नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के समानांतर खड़ी होगी बल्कि विश्व अंतरिक्ष बाजार में भी वह बहुत बड़ी खिलाड़ी बन जाएगी।

**देश की प्रगति के लिए जरूरी:** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो का अगले तीन वर्षों में अपने अंतरिक्षयान निर्माण क्षमता को तिगुना करने का फैसला, देश की बदलती सामरिक, वैज्ञानिक और आर्थिक प्राथमिकताओं के पूर्वाभास सरीखा है। इसरो चाहता है कि खुद को अंतरिक्ष के क्षेत्र में भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप ढाल सके, ताकि वो निजी कंपनियों की तेज भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा के बीच अविलंब आगे आ सके। उसकी यह पहल, देश को विश्व की अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों की श्रेणी में ऊपरी स्थान दिलाने की दिशा में एक रणनीतिक विस्तार है। अंतरिक्ष यान निर्माण क्षमता को बढ़ाना कई वजहों से जरूरी है। 5जी से बढ़कर 6जी की ओर बढ़ना है, तो सैकड़ों छोटे उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजना ही होगा। पृथ्वी अवलोकन और जलवायु निगरानी उपग्रहों की मांग भविष्य में बहुत ज्यादा बढ़ेगी।

**वैश्विक शक्ति बनने की है सामर्थ्य:** वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में उपग्रहों और उनकी सेवाओं की मांग अभूतपूर्व तरीके से बढ़ रही है। संचार, अर्थ ऑब्जर्वेशन, रक्षा, निगरानी, नेविगेशन, आपदा प्रबंधन, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में उपग्रहों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होने के चलते आने वाले दशक में हजारों नए उपग्रह लॉन्च होने की उम्मीद है।

भारत के पास सस्ता, तेज, कुशल और विश्वसनीय अंतरिक्ष अभियान संचालन की बेहतर क्षमता है, इसको पूरी दुनिया जान और मान रही है। तमाम देश इसके लिए भारत की ओर आकर्षित भी हैं। लेकिन अंतरिक्ष यान निर्माण-क्षमता के सीमित होने के कारण देश बेहतरीन कौशल होने के बावजूद इस तेजी से बढ़ती वैश्विक मांग का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहा। इसरो अभी सालाना औसतन 6 से 7 अंतरिक्षयान बनाता है। तीन साल बाद क्षमता तीन गुना होने का मतलब है कि वह 18 से 21 अंतरिक्षयान प्रति वर्ष तैयार कर सकेगा। फिर उसके पास अन्य देशों के उपग्रहों के लांच के लिए न सिर्फ पर्याप्त यान होंगे बल्कि उन्हें लांच के लिए विंडो भी। कम समय अंतराल पर होने और निर्माण तथा लांच सुविधाएं सीमितता के चलते इसरो के कई प्रक्षेपण कार्यक्रम आपस में ओवरलैप करते हैं। इसरो द्वारा उत्पादन वृद्धि के साथ सैटेलाइट इंटीग्रेशन सेंटर्स की संख्या बढ़ाना इस ओवरलैप को कम करेगा। अंतरिक्षयानों की संख्या में वृद्धि भारत को वैश्विक प्रक्षेपण सेवाओं के बड़े बाजार में मजबूत प्रतिस्पर्धी बनाएगा, जहां आज

अमेरिका की स्पेस-एक्स जैसी निजी कंपनियां लगभग एकछत्र राज कर रही हैं।

**संभावनाएं-क्षमताएं हैं भरपूर:** आज भारत, वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में केवल 2 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, इसरो इसे 2030 तक 8 फीसद तक ले जाने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। क्षमता विस्तार, निजी साझेदारी और नई तकनीकों का विकास इसे संभव बना सकता है। बेशक इससे भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी दर्ज होगी तथा संबंधित क्षेत्र में साख भी बढ़ेगी। असल में इसरो की रणनीति महज अपने अंतरिक्ष यानों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इस दौर में जब देश में कई स्पेस स्टार्टअप तेजी से उभर रहे हैं, इसरों की प्लानिंग है कि अंतरिक्षयान निर्माण में तमाम बड़ी निजी कंपनियों जैसे लार्सन एंड टुब्रो, गोदरेज, एचएएल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, स्काईरूट, अग्निकुल, ध्रुव स्पेस तथा अन्य छोटे

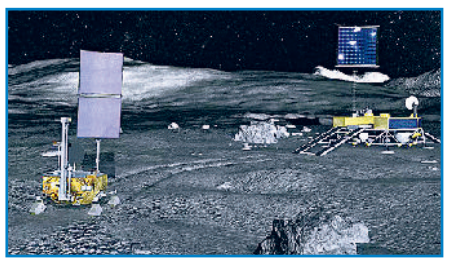

स्टार्टअप्स को भी वह इस काम में बड़े पैमाने पर साझेदार बनाए ताकि इससे भारत में 'एयरोस्पेस मैन्युफेक्चरिंग इंडस्ट्री' का विकास तीव्र हो। वह अमेरिका में नासा और स्पेस-एक्स जैसे सरकारी एजेंसी और निजी कंपनी के आपसी सहयोग जैसे मॉडल को भारतीय परिस्थितियों में संभव बनाना चाहती है। इससे देश, संबंधित कंपनियों और आखिरकार इसरो को लाभ पहुंचेगा।

**निजी क्षेत्रों को कर रहा प्रोत्साहित:** जल्द ही भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी उद्योग-निर्मित पीएसएलवी इसी परिवर्तन की ज्वलंत निशानी बनेगा। इसरो खूब जानता है कि निजी क्षेत्र जितना बड़ा होगा, उसको उतनी ही सुविधा होगी। वह उन पर बहुत से तकनीकी और निर्माण कार्यों की जिम्मेदारी देकर अपना ध्यान ज्यादा से ज्यादा प्रक्षेपण कार्यक्रमों एवं अनुसंधान मिशनों पर केंद्रित कर पाएगा। इसरो को निजी-सरकारी कंपनियों के सहयोग से तीन गुनी यान निर्माण क्षमता हासिल हो गई, तो उसका परोक्ष प्रभाव यह भी होगा कि इसरो के वैज्ञानिक मिशन तेजी से पूरे होंगे, वाणिज्यिक लॉन्च बढ़ेंगे। ऐसे में भारत वैश्विक उपग्रह-निर्माण और प्रक्षेपण बाजार में बेहद कमाऊ और प्रभावी खिलाड़ी बन सकेगा। इनके अलावा इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और ज्यादा बढ़ेगी, तो विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम होती जाएगी। बड़ी बात यह भी कि पांच मॉड्यूल वाला देश का अंतरिक्ष स्टेशन समय पर स्थापित करने की संभावना भी इससे मजबूत होगी।

**कई स्तरों पर करनी होगी पहल:** इसरो के सभी प्रोजेक्ट्स समय से पूरे हों, इस लिए भी इसरो को अपनी यान निर्माण क्षमता को तीन गुना बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। चंद्रयान-4 भारत के लिए अमेरिका के अपोलो कार्यक्रम की तरह विशिष्ट होगा। यह चंद्रमा से नमूने वापस लाकर भारत को उस सैंपल रिटर्न टेक्नोलॉजी में सक्षम बनाएगा, जो संसार के महज तीन देशों के पास है। इसी तरह जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा के साथ लूपेक्स मिशन, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ की मौजूदगी तलाश उसकी उपयोगिता समझने का अवसर देगा। यह भविष्य के मानव मिशनों के लिए ईंधन और पानी का स्रोत समझाएगा। भारत अपने अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल को 2028 तक पूरा करते हुए 2035 तक पांच मॉड्यूल वाला अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना चाहता है। इस पूरे प्रकरण में सरकार की जो भूमिका हो सकती है, वह यह है कि उसके द्वारा अंतरिक्ष नीति और विनियमों को सरल बनाया जाए ताकि निजी निवेश, इसरो को लंबी अवधि की फंडिंग और स्टार्टअप ईकोसिस्टम को बढ़ावा मिले, मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम पर नियमित निवेश एवं निजी भागीदारी को गति मिले, जिससे इसरो अधिक प्रक्षेपण केंद्र और ट्रैकिंग स्टेशन स्थापित कर सके। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के विस्तार पर भी सरकार को जोर देना होगा। फिलहाल इसरो का फैसला देश को वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में आर्थिक शक्ति बनाएगा, लाखों नौकरियों का सृजन, युवा वैज्ञानिकों के लिए अवसर पैदा करेगा। *

### कई प्रोजेक्ट्स पर हो रहा काम

**इसरो के** लिए आने वाला दशक निर्णायक है। इस वर्ष और अगले वर्ष में इसरो के पास आधे दर्जन से अधिक महत्वपूर्ण कार्यक्रम शेष हैं और अगले कुछ वर्षों में संचालित होने वाले इसरो के पूर्व नियत कई प्रमुख अभियान तो बहुत जटिल और महत्त्वाकांक्षी हैं। गगनयान के कई मानव-रहित परीक्षण, मानव सहित गगनयान, 2028 में जाने वाला चंद्रयान-4, जापानी अंतरिक्ष एजेंसी के साथ मिशन लूपेक्स, एसएसएलवी निर्माण तथा रि-यूजेबल लॉन्च व्हीकल का विकास, शुक्रयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, नई पीढ़ी के संचार उपग्रह जैसे कई महत्त्वाकांक्षी मिशन पर कार्य जारी है।

# डिजिटल गेम्स वर्तमान है शानदार-उज्ज्वल है भविष्य

हाल के वर्षों में मनोरंजन के लिहाज से डिजिटल गेम्स का क्रेज जबर्दस्त तरीके से बढ़ा है, निरंतर इसमें इजाफा भी हो रहा है। खासतौर पर इसे लेकर नई पीढ़ी में बहुत दीवानगी देखी जाती है। इसकी क्या हैं वजहें और कैसा है भविष्य, जानिए।

{ टेक्नोलाइफ
लोकमित्र गौतम }

आज के युग में मनोरंजन, शिक्षा और तकनीकी प्रयोग का सबसे लोकप्रिय माध्यम बन चुके हैं-डिजिटल गेम्स। मोबाइल, कंप्यूटर, टैबलेट और गेमिंग कंसोल के जरिए खेले जाने वाले ये खेल महज खेल नहीं हैं बल्कि आज की तारीख में अरबों रुपए का कारोबार भी है। नई पीढ़ी के बीच इन डिजिटल गेम्स का आकर्षण इतना अधिक है कि अब ये डिजिटल गेम्स एक पूरी संस्कृति का रूप ले चुके हैं।

**क्या होते हैं डिजिटल गेम्स:** डिजिटल गेम्स सही मायने में इलेक्ट्रॉनिक खेल होते हैं। इन्हें डिजिटल गेम इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये किसी डिजिटल डिवाइस के जरिए खेले जाते हैं। जैसे- कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन, टैबलेट या वीडियो गेम कंसोल। डिजिटल गेम्स में ग्राफिक, ध्वनि और उपयोगकर्ता का सीधे-सीधे संपर्क या इंट्रैक्शन संभव है। यह इंट्रैक्शन या संपर्क दो तरीके से होता है। इसमें एक है वर्चुअल अनुभव। वास्तव में यह किसी अनुभव के आधार पर तैयार किए जाते हैं और यहीं इनकी भूमिका बदल जाती है। यह केवल शारीरिक सक्रियता या महज मनोरंजन का कारण नहीं होते बल्कि कभी-कभी सीखने, कभी रणनीति बनाने, कभी निर्णय क्षमता को परखने या उसे विकसित करने तथा कभी-कभी हीनभावना को दूर करने का तरीका भी होते हैं।

**दीवानी है नई पीढ़ी:** नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स को लेकर बहुत ज्यादा आकर्षण या कहें क्रेज है। विशेषकर जनरेशन जेड और अल्फा, डिजिटल दुनिया में जन्मी, पली-बढ़ी पीढ़ियां इन खेलों की दीवानी हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इनका बचपन मोबाइल और इंटरनेट के साथ खेलते और इस्तेमाल करते हुए गुजरा। इसलिए डिजिटल गेम्स को ये मनोरंजन नहीं कहते बल्कि अपने व्यक्तित्व की पहचान, प्रतिस्पर्धा और आत्म अभिव्यक्ति का माध्यम मानते हैं।

**इसलिए बढ़ रहा इतना क्रेज:** नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स का इतना क्रेज इसलिए है, क्योंकि यह वास्तविक अनुभव देता है। आज के डिजिटल गेम्स में एक साथ वीआर यानी वर्चुअल रियलिटी और एआर यानी ऑग्मेंटेड रियलिटी का इस्तेमाल होता है, जिसे खिलाड़ी इन्हें दूर से खेलता हुआ नहीं लगता बल्कि खुद को वह खेल के भीतर का हिस्सा समझता है और खेल के रोमांच को पल-पल महसूस करता है। दुनिया के किसी कोने से किसी दोस्त के साथ, किसी अजनबी के साथ, इन खेलों को खेला जा सकता है यानी आज की डिजिटल लाइफ के अनुकूल ये ऑनलाइन गेम की सुविधा प्रदान करते हैं और सबसे आकर्षक बात यह है कि डिजिटल गेम्स, एक रिवॉर्ड सिस्टम से भी जुड़ा होता है यानी प्वाइंट, लेवल और खरीदारी के लिए वाउचर जैसी सुविधाओं का मौजूद होना खिलाड़ियों को अलग ही दुनिया के रोमांच से जोड़ देते हैं। आज की तारीख में डिजिटल गेम्स महज खेलने की डिजिटल गतिविधि भर नहीं हैं बल्कि यह एक किस्म की सामाजिक प्रतिष्ठा बन चुके हैं। युवाओं में गेमिंग अब अपने आपमें एक स्टेटस सिंबल बन चुका है। लोकप्रिय गेम्स में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स और फैंस भी मिलते हैं। इस तरह डिजिटल गेम्स मनोरंजन करने के साथ-साथ हमारे तनाव मुक्ति का भी जरिया हैं। इस कारण भी युवाओं में डिजिटल गेम्स को लेकर जबरदस्त क्रेज है।

**ऐसे हुई डिजिटल गेम्स की शुरुआत:** वर्ष 1962 की बात है, एमआईटी यानी मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अमेरिका में दो युवाओं ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम स्पेस वार बनाया। स्टीव रसेल और उनके दोस्त मार्टिन ग्रेट्ज ने पहले-पहल इस डिजिटल गेम्स की अवधारणा को 1961 में रखा था। लेकिन बाद के एक साल में उनके साथ उनके चार और दोस्त आ जुड़े, ये थे- वेन विटानन, पीटर सैमसन, डेन एडवर्ड्स और एलन कोटाक। इन सभी ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम्स स्पेस वार सीडीपी-1 कंप्यूटर पर बनाया। यहीं से आधुनिक वीडियो गेम उद्योग की शुरूआत हुई।

जहां तक भारत में डिजिटल गेमिंग की शुरुआत का सवाल है तो यह सन 1990 के दशक में आया, जब कंप्यूटर और इंटरनेट भी धीरे-धीरे आम लोगों तक पहुंचने लगे थे। भारत का पहला स्वदेशी डिजिटल गेम 'भारतः द गेम' (1998) माना जाता है, जिसे सिनका गेम्स कंपनी ने विकसित किया था। हालांकि गेम बहुत अधिक लोकप्रिय नहीं हुआ।

**डिजिटल गेम्स का भविष्य:** जहां तक डिजिटल गेम्स की दुनिया के भविष्य का सवाल है तो यह बेहद उज्ज्वल और तकनीकी रूप से बेहद रोमांचक है। साल 2025 में वैश्विक गेमिंग इंडस्ट्री बढ़कर 250 अरब अमेरिकी डॉलर की हो चुकी है और इसमें बहुत बड़ा हिस्सा भारत के डिजिटल गेम्स प्रेमियों का भी है। क्योंकि साल 2024 के अंत तक भारत में सक्रिय गेम्स की संख्या बढ़कर 40 करोड़ हो चुकी है। शायद यह डिजिटल गेमिंग का ही विस्तार है कि आज ई-स्पोर्ट्स की दुनिया बड़े पैमाने पर उभरी है और लाखों लोग इसे अपना करियर बनाकर अपना भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित कर रहे हैं। *

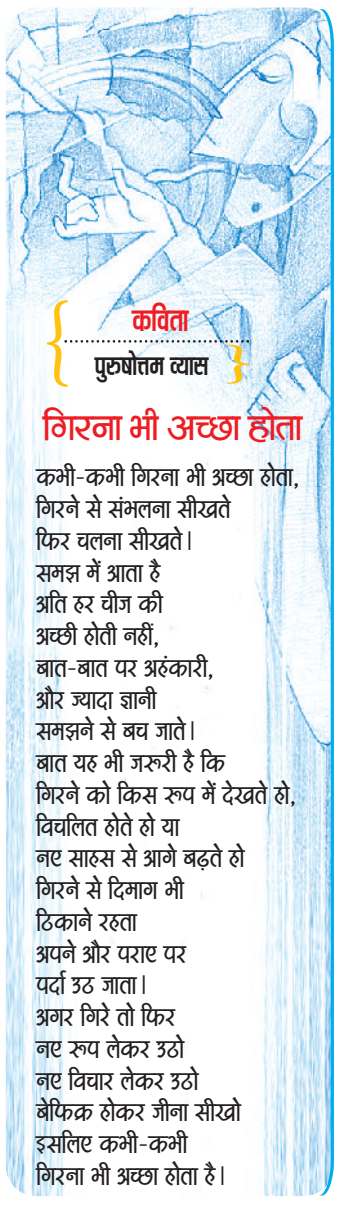

{ कविता
पुरुषोत्तम व्यास }

## गिरना भी अच्छा होता

कभी-कभी गिरना भी अच्छा होता,
गिरने से संभलना सीखते
फिर चलना सीखते।
समझ में आता है
अति हर चीज की
अच्छी होती नहीं,
बात-बात पर अहंकारी,
और ज्यादा ज्ञानी
समझने से बच जाते।
बात यह भी जरूरी है कि
गिरने को किस रूप में देखते हो,
विचलित होते हो या
नए साहस से आगे बढ़ते हो
गिरने से दिमाग भी
ठिकाने रहता
अपने और पराए पर
पर्दा उठ जाता।
अगर गिरे तो फिर
नए रूप लेकर उठो
नए विचार लेकर उठो
बेफिक्र होकर जीना सीखो
इसलिए कभी-कभी
गिरना भी अच्छा होता है।

{ व्यंग्यात्मक संस्मरण
डॉ. मुकेश असीमित }

# टिकट विंडो की लाइन

रेलवे स्टेशन की टिकट विंडो आजकल किसी आध्यात्मिक तप जैसी लगती है। अमृत योजना का थोड़ा-बहुत बजट खर्च कर चार खिड़कियां बना दी गई हैं, पर चारों के सामने उतनी ही लंबी लाइनें, मानो चार अलग-अलग धर्मपंथ हों और भक्त सभी जगह समान संख्या में हों।

मैं बड़ी होशियारी से सबसे छोटी लाइन में लगा, और जैसे ही लगा किस्मत मेरी गर्दन पकड़कर मुझ पर हंस रही हो जैसे। मेरी लाइन कछुए की चाल से और बाजू वाली लाइन खरगोश की गति से फुर्र-फुर्र बढ़ती जा रही थी।

खिड़की पर एक बुजुर्ग बाबू थे, शायद रिटायरमेंट के ठीक पहले के अंतिम वर्ष में। चश्मा उतारते, लगाते, की-बोर्ड को किसी वेद-पाठ की तरह एक-एक अक्षर छूते। स्क्रीन पर अक्षर प्रकट होता तो उनके चेहरे की झुर्रियां भी खिल उठतीं, मानो तकनीकी उन्नयन का चमत्कार उन्हें रोज नई जवानी दे रहा हो। रेलवे ने शायद फैसला कर रखा है कि यह महाशय अपना अंतिम प्रण और अंतिम प्रणय दोनों इसी खिड़की पर छोड़ेंगे।

इतने में एक दुबला-पतला अधेड़ मेरी कोहनी पसलियों में गड़ाता हुआ फुसफुसाया, 'कौनसी ट्रेन चाहिए साहब? बोलो तो जुगाड़ कर दूं, अंदर तक पहुंच है। बस सौ का एक नोट एक्स्ट्रा।'

मैंने विनम्रता से मना कर दिया। विनम्रता पर उसने जर्दे-भीगे होंठों से मोबाइल और मुझे संयुक्त रूप से एक गाली दी और फुर्र हो गया। उसकी प्रतिक्रिया खीझ से उत्पन्न हुई, जैसे कोई एक डील होते-होते रह गई हो।

मोबाइल ही आजकल इन लंबी लाइनों का आधुनिक तपो-साधन है, सभी यात्री उसमें गुम। मैं भी व्हाट्सएप की दुनिया में तल्लीन था, तभी आगे शोर हुआ। एक यात्री जिसकी ट्रेन छूटने वाली थी, लाइन तोड़कर हथेली खिड़की के नैनो साइज के छेद में घुसा चुका था कि दूसरा यात्री अपना हाथ निकाल ही नहीं पा रहा था। अब विवाद यह नहीं कि किसकी बारी, बल्कि यह कि सबसे पहले हाथ कौन निकाले!

बाबू ने सीटी बजाई। दो पुलिसकर्मी अपनी तोंदें, बाल्टी की तरह लटकाते हुए आए। लाठी को हवा में घुमाते हुए स्थानीय भाषा में अपशब्दों का ऐसा समन्वित गान किया कि लाइन तुरंत सीधी हो गई। दोनों यात्रियों के हाथ बड़ी मुश्किल से निकाले गए। इस खींचतान में एक की हस्त-धारित भारतीय मुद्रा फट गईं और उसके मुंह से निकली गालियां व्यवस्था की संपूर्ण संस्थाओं को समर्पित थीं, रेलवे, सरकार, मंत्री से लेकर कुली तक कोई नहीं छूटा।

मैं फिर मोबाइल में चला गया। नया वर्ष आने में महीना है लेकिन कंपनियां जैसे चाहती हैं कि इस बार मैं चार नए कपड़ों, दो नई चॉकलेटों और पांच नए कूपनों से लैस रहूं। ऑफर ऐसे कि लगता है हर कंपनी ने मेरे लिए ही सुकुमारी ब्रांड की मॉडल को विज्ञापन में खड़ा किया है। एक बार जल्दबाजी में मैंने सुकुमारी के मोहपाश में बंधे सब्सक्रिप्शन डाल दिया था, तभी से वह मेरे जीवन की स्थाई सदस्य बन चुकी है।

मोबाइल भी क्या करे। कंपनियां चाहती हैं कि आप दिन-रात उसी से चिपके रहो। कभी धमाका सेल, कभी फ्लैश सेल, कभी लास्ट स्टॉक, हड़प लो!

नई पीढ़ी को ये सेल-ऑफर ऐसे जकड़ती है कि किसी उल्टे-सीधे काम में ऊर्जा लगे, उससे अच्छा है कि स्क्रीन पर अंगूठा फिसलाते रहो। गेम्स, जुआ, सट्टा, लॉटरी सब आपके दरवाजे पर नहीं, आपकी जेब में बैठा है।

इधर मेरा मोबाइल भी मेरा पूरा जीवन समझता है- कब रिचार्ज खत्म होगा? कब बीमा एक्सपायर होगा? कब कार की सर्विसिंग करानी है?

कब पुरानी कार बेचे चार साल हो गए? यह सब याद दिला रहा है।

सच कहूं तो मोबाइल ने आदमी को अकेला किया, या अकेलापन आदमी को मोबाइल तक ले गया, ये तफरीक अब मैं भी नहीं कर पाता।

मोबाइल पर आध्यात्मिक गुरुओं के संदेश, प्रेरक कथन और भविष्यवाणियां भी तड़ातड़ आ रहे हैं। सुबह-सुबह इतनी 'ज्ञान-वर्षा' कि दिमाग की हार्ड डिस्क फुल होकर ओवरहीट हो जाए। पर सही कहूं, रेलवे की लाइनें और मोबाइल दोनों ही हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की लाइफलाइन हैं। एक में लगकर देश चलता है और दूसरे में खोकर आदमी। इतने में मेरी लाइन भी दो-चार इंच आगे बढ़ गई।

शायद मेरे नंबर का भी समय आ रहा था और मोबाइल पर एक नया मैसेज भी। *

{ लघुकथा / सतीश उपाध्याय }

# दरवाजा

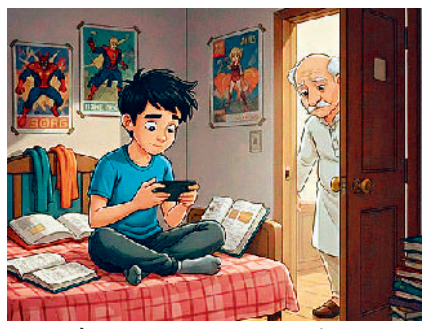

'मम्मी, दादाजी की वजह से हमारी पढ़ाई डिस्टर्ब होती है, बार-बार हमारे कमरे में आ जाते हैं।' परेश ने अपनी मां से दादाजी की शिकायत की। सामने कुर्सी पर बैठे दादाजी अखबार पढ़ रहे थे, वह तुरंत बोले, 'नहीं बेटा, ऐसी बात नहीं है। तुमको मैंने तीन घंटे से नहीं देखा था, इसलिए ऐसे ही तुम्हें देखने तुम्हारे कमरे में चला आया था।' परेश की मम्मी बेटे का पक्ष लेते हुए बोलीं, 'बाबूजी, थोड़ा बुद्धि से काम लिया करिए। स्कूल से कितना होमवर्क मिलता है, असाइनमेंट पूरा करना होता है। अगर वह आपसे बात करेगा तो उसका होमवर्क कैसे पूरा हो पाएगा?' दादाजी आहिस्ता से बोले, 'बेटा बात सही है, अब मैं आगे से ध्यान रखूंगा।' अगला दिन छुट्टी का था। परेश सारा दिन अपने लैपटॉप और मोबाइल में ही बिजी था। दादाजी के भीतर अपने पोते के प्रति प्यार उमड़ा तो वह अपने आपको रोक नहीं पाए। परेश के कमरे में चले गए। परेश के बेड पर स्कूल की कॉपी-किताबें बिखरी हुई थीं। वह मोबाइल में बिजी था। उसने दादाजी की आहट सुनी, लेकिन वह दादाजी की उपेक्षा करते हुए अपने मोबाइल में ही लगा रहा। दादाजी ने पूछा, 'क्या कर रहे हो बेटा?' परेश रूखे स्वर में बोला, 'दादाजी देख नहीं रहे हैं, मैं अपना असाइनमेंट पूरा कर रहा हूं। आप डिस्टर्ब मत करिए।' 'ठीक है बेटा, कितना समय लगेगा, इसे पूरा करने में?' दादाजी ने बड़े प्यार से पूछा। 'दादाजी मैं अभी कैसे बता दूं, आप डिस्टर्ब मत कीजिए प्लीज।' परेश ने तेज स्वर में बोला। 'ठीक है बेटा, मैं नीचे तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं।' यह कहकर दादाजी ने कमरे से बाहर निकलते समय पलटकर देखा, परेश अपने मोबाइल में लगा दिखा। दादाजी के कमरे से निकलते ही परेश ने अपने कमरे का दरवाजा तेज आवाज के साथ बंद कर दिया। दादाजी कुछ देर दरवाजे के पास भाव शून्य खड़े रहे। उनकी आंखों में एक नमी उतर आई थी। *

**पुस्तक:** छवि से अलग (संस्मरण), **लेखक:** विनोद दास, **मूल्य:** 295 रुपए, **प्रकाशक:** सेतु प्रकाशन, नोएडा

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

# छवि से अलग

हाल में ही वरिष्ठ साहित्यकार विनोद दास के संस्मरणों की पुस्तक 'छवि से अलग' छपकर आई है। इसमें चौदह नामचीन साहित्यकारों के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़ा संस्मरण भी संकलित है। इन संस्मरणों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें सम्मिलित हस्तियों की कई अनावृत्त रही छवियां उजागर होती हैं। ये छवियां उनके साहित्यिक ही नहीं व्यक्तिगत जीवन से भी जुड़ी हुई हैं। लेखक ने निरपेक्ष भाव से इनकी खूबियों और खामियों को सामने रखा है। इसके साथ ही साथ कई संस्मरणों में लेखक, समानांतर रूप से उस देश, काल और परिस्थितियों का भी वर्णन करते चलते हैं, जब इन अनुभूतियों को वे अर्जित कर रहे थे। निर्मल वर्मा, नामवर सिंह, श्रीलाल शुक्ला, कुंवर नारायण, केदारनाथ सिंह, अखिलेश, शानी और मुद्राराक्षस जैसे कई साहित्यकारों के बारे में यह किताब बहुत कुछ अनसुना बताती है। *

अगर आपको गांव की खूबसूरती, वहां का प्राकृतिक वातावरण लुभाता है, साथ ही पक्षी प्रेमी भी हैं तो आपको इस मौसम में 'भारत का पक्षी गांव' के नाम से प्रसिद्ध मेनार गांव जरूर जाना चाहिए। किस तरह से मेनार गांव, पक्षी-प्रकृति संरक्षण की मिसाल बन गया है, वहां से लौटकर बता रहे हैं लेखक अपनी जुबानी।

# पक्षी संरक्षण की मिसाल मेनार गांव

पर्यटन स्थल

समीर चौधरी

हाल ही में मैं उदयपुर घूमने गया था। जब मुझे स्थानीय लोगों से पक्षी संरक्षण के लिए मशहूर मेनार गांव के बारे में पता चला तो खुद को रोक नहीं पाया। राजस्थान के खूबसूरत शहर उदयपुर के नजदीक स्थित मेनार गांव में मैं बिना किसी असुविधा के बिल्कुल सुबह पहुंच गया था। सुबह होते ही मेनार में चिड़ियों का चहचहाना हर ओर से सुनाई पड़ने लगता है। खासतौर पर मानसून के बाद सर्दी के मौसम की शुरुआत होने पर यह नजारा बहुत मनभावन लगता है, जब दूर देशों से बड़ी संख्या में पक्षी जाड़ों के अपने इस आवास में लौटने लगते हैं। दशकों से मेनार 100 से अधिक स्थानीय और ठंडे इलाकों से पलायन करके आने वाले पक्षियों का अभयारण्य बना हुआ है। यहां आने वाले प्रमुख पक्षियों में फ्लेमिंगो,

पेलिकन, कूटस और लुप्त होने की कगार पर पहुंच चुका सारस क्रेन भी शामिल हैं। इन्हें देखने के लिए दूर-दूर से पक्षी प्रेमी यहां आते हैं।

**ग्रामीणों की भूमिका महत्वपूर्ण:** मेनार गांव की विशेषता केवल इसकी जैव-विविधता ही नहीं है बल्कि यहां के लोग भी हैं, जिनकी वजह से पक्षी संरक्षण संभव हो सका है। मेनार के लोगों का यहां आने वाले मेहमान पक्षियों से लगाव का सिलसिला लगभग दो शताब्दी पहले आरंभ हुआ था। मुझे स्थानीय लोगों ने ही बताया कि वर्ष 1832 में यहां की एक झील के किनारे किसी ब्रिटिश अधिकारी ने एक पक्षी को गोली मार दी थी। उससे नाराज ग्रामीणों ने तुरंत ही उस ब्रिटिश व्यक्ति को गांव से बाहर जाने पर मजबूर कर दिया। यह कहानी लोककथा बन गई और इसी ने मेनार के पक्षी प्रेम और संरक्षण की आधारशिला रखी। समय के साथ मेनार के लोगों ने अपने तालाबों (ब्रह्म तालाब, धंड तालाब और खेरोड़ा तालाब) को जीवंत वेटलैंड्स में बदल दिया। इनके प्रयास रंग लाए। मेनार को आधिकारिक तौर पर राजस्थान के पहले पक्षी गांव के रूप में मान्यता मिल गई और उसे रामसर साइट (अंतरराष्ट्रीय महत्व का वेट लैंड, जो जीव संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है) घोषित किया गया। मेनार को वर्ष 2023 में भारत के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों में भी शामिल किया गया।

**जागरूक हैं स्थानीय निवासी:** मेनार में पक्षियों को देखते हुए मेरी मुलाकात स्थानीय निवासी दर्शन मेनारिया से हुई, जो पक्षी-मित्र कहे जाते हैं। अपनी इस पहचान पर उन्हें गर्व है। हालांकि वह एक विद्यालय में अध्यापक

भी हैं। दर्शन कितना भी व्यस्त रहें, अगर उन्हें किसी पक्षी के चहचहाने की आवाज सुनाई पड़ती है तो वह पक्षियों के गीत सुनने में मगन हो जाते हैं। वे अपने छात्रों से भी कहते हैं कि पक्षियों के गीत को सुनो। जब छात्र पक्षी को देखेंगे और पहचानेंगे, तभी वे वास्तव में उनकी देखभाल करेंगे, उनके संरक्षण में अपना योगदान देंगे।

**ऐसे किया जा रहा संरक्षण:** मेनार में पक्षी संरक्षण केवल जागरूकता का विषय नहीं, वहां की जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। यहां धार्मिक रीति-रिवाजों का आयोजन झील के किनारों पर किया जाता है ताकि मानव और प्रकृति का संबंध मजबूत किया जा सके। यहां मछली पकड़ने और गर्मी में की जाने वाली खेती को स्थानीय लोगों ने अपनी इच्छा से बंद कर दिया है ताकि पक्षियों के ठहरने की जगहों को सुरक्षित रखा जा सके। झीलों से पानी भी बहुत कम निकाला जाता है। ग्रामीण अपनी जरूरतों के साथ पक्षियों की जरूरतों का भी पूरा ध्यान रखते हैं।

सरकारी प्रयासों की बात करें, तो राजस्थान वन विभाग द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त पक्षी-मित्र हाथ में बाइनोक्यूलर्स (दूरबीन) लेकर सुबह-शाम को झीलों की निगरानी करते हैं। वे यहां आने वाले पक्षियों की गतिविधियों, पलायन पैटर्न को ऑब्जर्व करते हैं और खतरे की स्थिति में सावधान करते हैं। इस स्थानीय निगरानी ने न केवल सामान्य जलमुर्गियों को सुरक्षित रखने में मदद की है बल्कि उन प्रजातियों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिन पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है।

**बन चुकी है डॉक्यूमेंट्री फिल्म:** फिल्म मेकर गुंजन मेनन ने मेनार की कहानी को अपनी अवॉर्ड-विनिंग डॉक्यूमेंट्री 'विंग्स ऑफ होप' (उम्मीदों के पर) में भी प्रस्तुत किया है। वह इसे 'विश्वसनीय नेतृत्व की कहानी' कहती हैं। इस फिल्म में उन्होंने बताया कि जमीनी प्रयासों से वह हासिल किया जा सकता है, जो अकसर बड़े पैमाने की नीतियों या बड़े बजट से नहीं मिलता।

बहरहाल, मेनार गांव देश ही नहीं, दुनिया भर के पक्षी प्रेमियों के लिए मिसाल बन गया है। *

# जब करें घने कोहरे में ड्राइविंग
# रखें इन बातों का खास ध्यान

सर्दी के मौसम में जब घना कोहरा छाया हो, तो विजिबिलिटी बहुत कम हो जाती है। ऐसे में ड्राइविंग बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाता है। थोड़ी सावधानी और कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखकर आप धुंध वाले मौसम में भी सेफ ड्राइव कर सकते हैं।

सजगता

विवेक कुमार

हालांकि अभी बहुत अधिक ठंड नहीं हो रही है लेकिन आने वाले दिनों में इसमें इजाफा होगा। हाड़ कंपा देने वाली भीषण ठंड और घने कोहरे में वाहन चलाना बहुत चुनौती भरा काम होता है। देर रात में या पौ फटने से पहले सुबह के समय कोहरे के कारण जब विजिबिलिटी का स्तर कम हो जाता है, तब ड्राइविंग करना और मुश्किल होता है। ऐसे में अगर आपके लिए कहीं जाना बेहद जरूरी है और आप अपने वाहन से जा रहे हैं, तो घने कोहरे में सुरक्षित सफर के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

**ड्राइविंग पर फोकस्ड रहें:** ड्राइविंग करते समय मोबाइल फोन पर किसी से बात करना, बगल में या पीछे सीट पर बैठे व्यक्ति के साथ लगातार बात करना, म्यूजिक सुनना, इन

तमाम कामों से आपका फोकस ड्राइविंग से हट सकता है। घने कोहरे में अगर आप ड्राइविंग कर रहे हैं तो आपका ध्यान पूरी तरह ड्राइविंग पर ही केंद्रित रहना चाहिए। सामान्य दिनों में भी इस तरह की सावधानी बरतनी चाहिए।

**स्पीड कम रखें:** कोहरे में गाड़ी बहुत धीमी गति में चलानी चाहिए। इससे दुर्घटना होने की आशंका तो कम होती ही है, किसी भी तरह की दुर्घटना होने पर नुकसान ज्यादा नहीं होता है। अपने आगे चलने वाले वाहन के बीच पर्याप्त गैप रखते हुए धीरे-धीरे ड्राइव करें। इससे आपको अचानक ब्रेक लगाने या गति बदलने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। कोहरे में गाड़ी ड्राइव करते समय अचानक अपनी लेन बदलने से भी बचें, क्योंकि विजिबिलिटी कम होने के कारण आपकी गाड़ी की गति और दिशा का अनुमान पीछे से आने वाले दूसरे वाहन का चालक नहीं लगा पाता है, इससे एक्सीडेंट की संभावना होती है।

**सावधानी से गाड़ी मोड़ें:** अगर आपको किसी मोड़ पर अपनी गाड़ी मोड़नी है तो अपनी गाड़ी की गति पहले से ही धीमी कर लें, क्योंकि कोहरे में बिल्कुल करीब की भी चीज दिखाई नहीं देती है। ऐसे में अगर गाड़ी मोड़ते समय गति तेज हुई तो दुर्घटना होने का डर रहता है। धुंध में ओवरटेकिंग करना बहुत खतरनाक हो सकता है, क्योंकि विजिबिलिटी बहुत कम होने से यह नहीं दिख पाता है कि आगे कोई वाहन है या नहीं और उसकी स्पीड कितनी है? इसलिए कोहरे में यथासंभव गाड़ी धीमे चलाएं और ओवर टेकिंग करने से बचें।

**वाहन को रोक दें:** यदि विजिबिलिटी बहुत ही कम हो, तो सड़क के किनारे सुरक्षित जगह पर गाड़ी को रोक कर थोड़ा कोहरा छंटने का इंतजार करना चाहिए। अपनी गाड़ी को जब सड़क पर किनारे खड़ा करें तो कार की हैजार्ड लाइट चालू रखें ताकि सड़क पर चलने वाले दूसरे वाहन आपकी कार को देख सकें और सुरक्षित तरीके से बगल से निकल जाएं।

**विंडोज-विंड स्क्रीन को साफ रखें:** घने कोहरे और ओस की बूंदों के कारण विंडोज और विंड स्क्रीन पर लगा सीसा बार-बार धुंधला हो जाता है। ऐसे में विजिबिलिटी और भी कम हो जाती है। इससे बचने के लिए बीच-बीच में वाइपर चलाते रहें। कार के हीटर ऑन कर वाहन के अंदर से ही इन

पर जमने वाली भाप को कम किया जा सकता है। अधिक दिक्कत होने पर गाड़ी से उतर कर साफ कपड़े से इन्हें साफ करना चाहिए।

**रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगवाएं:** अपनी कार के पीछे लाल रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगवाने से आपके पीछे चलने वाले वाहन को आपके वाहन की स्थिति पता चलती रहती है। इससे दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है और दुर्घटना की आशंका से भी बचा जा सकता है। *

नदी गाथा

वीना गौतम

# महज जलधारा ही नहीं जम्मू की सांस्कृतिक आत्मा है तवी नदी

वैसे तो जम्मू-कश्मीर में कई मनोहारी झीलें और नदियां हैं। इन्हीं में से एक तवी नदी न केवल अपने प्रवाह सौंदर्य के लिए, अपनी धार्मिक-सांस्कृतिक महत्ता और अपनी गोद में समेटे जैव विविधता के लिए भी जानी जाती है।

नदियां जीवनदायिनी होती हैं। नदियों के किनारे ही दुनिया की सभी सभ्यताएं और संस्कृतियां फली-फूली हैं। धरती पर नदियों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। लेकिन जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी और नदियों के प्रति आम लोगों की उदासीनता के चलते धरती पर जल संकट तो गहराया ही है, अब नदियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इसलिए नदियों का न केवल संरक्षण जरूरी है बल्कि हमें अपनी नई पीढ़ियों को इनके प्रति संवेदनशील भी बनाना जरूरी है ताकि इनका अस्तित्व बचा रहे और धरती पर इंसानी सभ्यता और संस्कृति भी हमेशा की तरह फलती-फूलती रहे। ऐसी ही एक महत्वपूर्ण और सुंदर नदी तवी, जम्मू शहर से होकर प्रवाहित होती है। जैसे किसी जीवंत शरीर में हृदय धड़कता है, वैसे ही जम्मू के लिए तवी की निरंतर बहती धारा है। यह नदी महज पानी की धार नहीं बल्कि जम्मू की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भावनात्मक पहचान का आधार स्तंभ है। स्थानीय डोगरा समाज में तवी को सूर्य पुत्री कहा जाता है यानी, एक ऐसी बेटी, जिसे सूर्य देव से जीवन मिला हो। यही उसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व का आधार माना जाता है।

**नदी का उद्भव और प्रवाह:** तवी नदी शिवालिक पर्वतों की गोद से जन्मती है। सुधमाह महादेव के निकट डोडा जिले के कैलाश कुंड ग्लेशियर से इसका उद्गम माना जाता है।

तवी के किनारे स्थित बाग-ए-बहू का मनोरम दृश्य

4,220 मीटर की ऊंचाई से उतरकर यह नदी 141 किलोमीटर का सफर तय करके अखनूर के पास चिनाब नदी में मिल जाती है। अपने प्रवाह में यह पहाड़ी पत्थरों, झाड़ियों, घास के मैदानों और घाटियों को चीरते हुए आगे बढ़ती है। तवी नदी का प्रवाह इसे एक युवा नदी के रूप में दर्शाता है। क्योंकि इसका प्रवाह तेज, पथरीला और जल स्वच्छ होता है। गर्मियों में चूंकि हिमालय में बर्फ पिघलती है, इसलिए गर्मी के मौसम में इसमें पानी बढ़ जाता है, जबकि सर्दियों में नदी शांत और सक्रिय हो जाती है। इन दोनों मौसमों के विपरीत मानसून के आते ही तवी का शक्तिशाली और प्रचंड रूप देखने को मिलता है।

**पौराणिक-धार्मिक महत्ता भी है बहुत:** तवी का स्थान केवल भूगोल में ही महत्वपूर्ण नहीं है, पौराणिक आख्यानों और लोक-साहित्य में भी यह रची बसी है। सूर्य पुत्री कही जाने वाली तवी की मान्यता, डोगरा राजवंश के इतिहास की सांस्कृतिक धुरी मानी जाती है। जम्मू का प्रतिष्ठित बहू-किला इसी नदी के किनारे स्थित है। इसी के किनारे स्थित बाग-ए-बहू बागीचा, महामाया मंदिर और उसके पास की घाटियां, तवी को सौंदर्य की देवी का दर्जा देती हैं। तवी की वजह से ही ये स्थल इस शहर की आकर्षक धरोहरों में शामिल हैं। प्राचीन मंदिरों, धार्मिक अनुष्ठानों में भी तवी नदी की भूमिका हमेशा रही है। डोगरा राज परिवार के संस्कार, पूजा-तीर्थ, अर्पण और पितृ श्रद्धा इसी नदी के तट पर संपन्न होती है। छठ पर्व, मकर संक्रांति, डोगरा मेलों और विशेष पूजा अर्चनाओं का केंद्र तवी नदी के तट ही होते हैं। शिवरात्रि में यहां विशेष उत्सव संपन्न होता है। डोगरी लोकगीतों में बार-बार तवी नदी का जिक्र आता है। यहां एक उक्ति बहुत प्रचलित है, 'तवी दे पाणियां वर्गे, सच्चे ने जम्मू दे लोग।' यानी तवी के पानी की तरह ही जम्मू के लोगों का मन भी निर्मल है। तवी जम्मू की आत्मा है। इसके रिवर फ्रंट, घाटों और हरित पट्टियों के माध्यम से यह नदी एक सांस्कृतिक स्थल के रूप में पुनर्जीवित हो रही है।

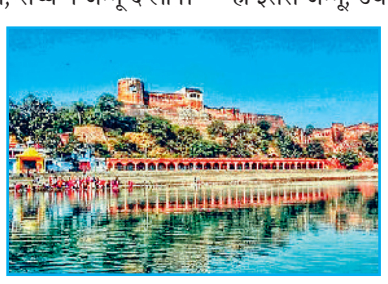

अखनूर फोर्ट के पास से प्रवाहमान तवी नदी

**मौजूद है समृद्ध जैव विविधता:** सिर्फ संस्कृति ही नहीं जम्मू क्षेत्र के पर्यावरण का भी मूल आधार तवी नदी ही है। इसकी घाटी में समृद्ध जैव विविधता पाई जाती है। देवदार, चीड़, शीशम, क्राप, पॉपुलर तथा अनेक औषधीय पेड़ इसके किनारे पनपते हैं और इसको समृद्ध वनस्पति स्थल बनाते हैं। इसी तरह तवी घाटी में हिमालयी लंगूर, पहाड़ी लोमड़ी, जंगली बिल्ली और काला भालू जैसे जीव जंतु भी पाए जाते हैं। इनके अलावा यहां किंग फिशर, उल्लू, बगुले, पहाड़ी गौरैया जैसे पक्षी इसकी जैव विविधता की गाथा कहते हैं। इसी में ट्राउट, महाशीर और क्रॉप जैसी मछलियों की भी उपस्थिति इसे खास बनाती है।

**कई तरह से है उपयोगी:** तवी का तेज प्रवाह इसका पथरीला तल इसे देश की दूसरी नदियों की अपेक्षा बेहद स्वच्छ रखता है। यह चिनाब की प्रमुख सहायक नदी है और सिंध प्रणाली में जल उपलब्धता बढ़ाने पर अपना योगदान देती है। इसके तलों पर उगने वाली घास और वृक्ष, नदी के कटाव को रोकते हैं और जैविक स्थिरता बनाए रखते हैं। शहर के मध्य से गुजरते समय इसका घुमावदार प्रवाह बहुत आकर्षक लगता है। यह जम्मू शहर के पेय जल की प्रमुख स्रोत है। साथ ही इससे जम्मू, उधमपुर और अखनूर जिलों की कृषि भूमि सिंचित होती है।

**चुनौतियां हैं कई:** हर नदी की तरह तवी के भी कुछ संकट हैं, जैसे शहर का बहने वाला नाला, कचरा और सीवेज इसे बीमार बनाता है। अवैध रेत खनन इसे घायल करता है और शहरीकरण का बढ़ता बोझ इसके विस्तार को छीनता जा रहा है, जो इसके जलस्तर में कमी का प्रमुख कारण बनता है। तवी महज एक नदी नहीं बल्कि जम्मू की सांस्कृतिक, भौगोलिक और ऐतिहासिक धरोहर है। इसे इतिहास की धड़कन और संस्कृति की आत्मा कहते हैं। जम्मू शहर की इस पहचान को संरक्षित किया जाना बहुत आवश्यक है। *

बड़ा पर्दा

हेमंत पाल

श्याम बेनेगल की 'अंकुर' में दिखा जीवन यथार्थ

बिमल रॉय की यथार्थपरक फिल्म 'दो बीघा जमीन'

# जीवन-समाज की सच्चाई दिखाता यथार्थपरक समानांतर सिनेमा

फिल्म निर्माण के शुरुआती दिनों से ही फिल्मकारों ने जीवन और सामाजिक यथार्थ को अपनी फिल्मों का विषय बनाना शुरू कर दिया था। हालांकि यह सामाजिक यथार्थ, पैरेलल सिनेमा में देखने को मिलता है। समानांतर सिनेमा को समृद्ध करने वाले फिल्मकारों और हिंदी सिनेमा में इस ट्रेंड पर एक नजर।

भारतीय सिनेमा में यथार्थवाद की झलक बहुत पुरानी बात है। ऐसी फिल्मों की नींव सन 1920 से 30 के दशक में ही पड़ गई थी, जब 1925 में बाबूराव पेंटर ने अपनी मूक फिल्म 'सावकारी पाश' बनाई, जिसमें वी. शांताराम ने गरीब किसान का किरदार निभाया था। वह किसान अपनी जमीन एक साहूकार को देने के लिए मजबूर हो जाता है और गांव छोड़कर शहर में मिल मजदूर बन जाता है। इसे भारत की पहली समानांतर फिल्म माना जाता है। साल 1937 में महिलाओं की दुर्दशा पर बनी फिल्म 'दुनिया ना माने' को भी समानांतर फिल्म की श्रेणी में ही रखा जाता है। समानांतर सिनेमा यानी पैरेलल सिनेमा को 'आर्ट सिनेमा' या 'नया सिनेमा' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि हमारा समानांतर सिनेमा इटैलियन न्यू रियलिज्म, फ्रांस के फ्रेंच न्यू वेव और जापान के न्यू वेव सिनेमा से प्रभावित रहा है।

**समानांतर सिनेमा ने ली नई करवट:** शुरुआती 1920-30 के दशक में भले ही समानांतर सिनेमा बनाने के कुछ प्रयोग किए गए, लेकिन तब ये परंपरा कुछ खास आगे नहीं बढ़ सकी। सन 1940 से 1960 के दशक में समानांतर सिनेमा ने फिर से करवट ली। इस दौर में सत्यजीत रे, ऋत्विक घटक, बिमल राय, मृणाल सेन, ख्वाजा अहमद अब्बास, चेतन आनंद, वी. शांताराम जैसे दिग्गज फिल्मकारों ने इसे पल्लवित किया। इनकी फिल्मों पर साहित्य की गहरी छाप देखने को मिलती है। चेतन आनंद ने 1946 में 'नीचा नगर' जैसी बेहतरीन फिल्म बनाई। कान फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म को 'ग्रांड प्रिक्स डू फेस्टिवल' पुरस्कार मिला। इस तरह कान फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कार पाने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी-'नीचा नगर'। समानांतर फिल्मों की इस परंपरा को श्याम बेनेगल, गोविंद निहलानी, अदूर गोपालकृष्णन, गिरीश कासरवल्ली, मृणाल सेन, ऋत्विक घटक जैसे फिल्मकारों ने आगे बढ़ाया।

**दिखता है जीवन का यथार्थ:** समानांतर सिनेमा में जीवन और समाज का यथार्थ बहुत गहराई से दिखाया जाता रहा है। यह हिंदी सिनेमा का वह पक्ष है, जिसमें आम आदमी के जीवन की जद्दोजहद, सामाजिक असमानता और बदलाव को दर्शाया जाता है। फिल्मों के कथानक में यथार्थ को पूरी शिद्दत के साथ प्रस्तुत करने का यह चलन 1950 के दशक में पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ और बाद में इसे हिंदी समेत हर भाषा के सिनेमा ने अपनाया। इसका मकसद जीवन के कठोर यथार्थ, समाज के हाशिए पर खड़े वर्गों, दलितों, महिलाओं और गरीबों की समस्याओं को दर्शकों के सामने लाना रहा, जिससे दर्शक खुद को जुड़ा महसूस करे। इन फिल्मों की यथार्थ परक कहानियां, आम लोगों की सामाजिक और आर्थिक जिंदगी से जुड़ी होती हैं। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, शहरी-ग्रामीण भेद, आर्थिक विषमताएं, जातिगत भेदभाव, स्त्री-पुरुष संबंध, नारी सशक्तिकरण जैसे मुद्दे समानांतर सिनेमा की पहचान रहे हैं। ये फिल्में पारंपरिक सिनेमा की तरह मनोरंजन या सपनों की दुनिया पर नहीं, बल्कि समाज की सच्चाइयों को विषय वस्तु बनाकर, बदलाव और सवाल उठाए जाने पर बल देती हैं। समानांतर सिनेमा का मकसद दर्शक को यथार्थ के करीब लाना और सांस्कृतिक-सामाजिक बदलाव की चेतना को जगाना रहा है। ये फिल्में भारतीय समाज के आइने का काम करती हैं।

**दिखाई जाती है सामाजिक त्रासदी:** समानांतर सिनेमा को जीवन का यथार्थ कहा जरूर जाता है, लेकिन यह आधा सच ही है। क्योंकि समानांतर सिनेमा का कैमरा हमेशा दमित और शोषित वर्ग पर ही फोकस होता रहा है। जबकि सिर्फ दमन और शोषण ही समाज का यथार्थ नहीं है। समाज के यथार्थ में खुशी और गम दोनों शामिल होते हैं। केवल त्रासदी और नकारात्मकता को ही समाज का यथार्थ नहीं माना जा सकता। यदि समाज के यथार्थ में जीवन के सभी पक्षों को शामिल किया जाए, तो ही समानांतर सिनेमा को यथार्थवादी सिनेमा कहना ज्यादा उचित होगा। यदि इसमें 'अंकुर' जैसी फिल्म शामिल है तो 'हम साथ साथ है' को भी शामिल किया जा सकता है।

**इन फिल्मकारों का रहा बड़ा योगदान:** समानांतर और यथार्थपरक फिल्मों की बात करें, तो इस परंपरा को समृद्ध करने में कई फिल्मकारों का बेहद महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1953 में आई बिमल रॉय की 'दो बीघा जमीन' ने समीक्षकों की प्रशंसा के साथ व्यावसायिक सफलता प्राप्त की थी। इसके बाद बिमल रॉय ने 'बिराज बहू', 'देवदास', 'सुजाता' और 'बंदिनी' जैसी यथार्थपरक फिल्में बनाईं। ऐसी फिल्में बनाने वाले फिल्मकारों में गुरुदत्त भी थे। उनकी फिल्म 'प्यासा' को हिंदी सिनेमा की कालजयी फिल्म माना जाता है। अमेरिका की 'टाइम' पत्रिका ने इसे 'ऑल टाइम बेस्ट 100 फिल्म्स' में जगह दी है। समानांतर सिनेमा की नई शुरुआत 1969 में मृणाल सेन की फिल्म 'भुवन सोम' से माना जाता है। ऐसे ही श्याम बेनेगल 1973 में 'अंकुर' बनाकर समानांतर सिनेमा के नवसृजन के प्रमुख हस्ताक्षर बने। सन 1976 में मृणाल सेन ने 'मृगया' बनाई, जो मिथुन चक्रवर्ती की पहली फिल्म थी। श्याम बेनेगल की फिल्में 'अंकुर', 'मंथन' और 'भूमिका', मणि कौल की 'उसकी रोटी' और 'दुविधा'। सत्यजीत रे की 'पाथेर पांचाली', 'शतरंज के खिलाड़ी', 'सद्गति'। इन सभी फिल्म मेकर्स का समानांतर सिनेमा को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। *